कोटद्वार, शनिवार
19 जुलाई 2025
वर्षः 47
अंकः 81 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सड़क दुर्घटना के मामले में वांछित चल रहा वारंटी गिरफ्तार

विकासनगर। सहसपुर पुलिस ने सड़क दुर्घटना के मामले में वांछित चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। वारंटी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। कोतवाली सहसपुर प्रभारी शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि कोर्ट से प्राप्त गैर जमानती वारंटी की गिरफ्तारी के लिए लगागार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को कोवा कोतवाली सहसपुर पुलिस टीम एक्सीडेंट मामले में वांछित चल रहे एक वारंटी बलदेव सिंह निवासी डी ब्लॉक नेहरू कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर वर्ष 2013 में एक्सीडेंट जिसमें एक की मौत हो गई थी, के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। तब से लेकर वह अभी तक सहसपुर पुलिस का वांछित था। आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

कांवड़ खंडित होने पर भड़के कांवड़िए

रुड़की। इमलीखेड़ा भगवानपुर बाईपास मार्ग पर शुक्रवार दोपहर को वाहन की टक्कर से कांवड़ खंड़ित हो गई। पुलिस ने कांवड़ियों को समझा बुझाकर शिवालय की ओर रवाना किया। कांवड़ यात्रा के दौरान भगवानपुर बाईपास मार्ग पर एक कार की टक्कर से एक शिवभक्त की कांवड़ खंडित हो गया। इसके बाद कांवड़ियों ने हंगामा शुरू कर दिया। इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी उमेश कुमार ने शिवभक्तों को समझाया और उन्हें गंगाजल देकर शिवालय की ओर रवाना कर दिया। इसके साथ ही वाहन को चौकी में खड़ा कराया गया है। दूसरी ओर दरियापुर गांव के पास भी एक कांवड़िए का जल खंडित हो गया।

चंडीपुल से चिड़ियापुर तक उमड़ा कांवड़ियों का जनसैलाब

हरिद्वार। कांवड़ियों की भीड़ से शुक्रवार को हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे और नहर पटरी पूरी तरह भगवा रंग में रंग गई। चंडीपुल से लेकर चिड़ियापुर तक शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे मार्ग पर बोल बम के जयकारे गूंजते रहे। नहर पटरी हो या मुख्य हाईवे, चारों ओर भगवा वस्त्रधारी श्रद्धालुओं की कतारें दिखाई दे रही हैं। पैदल, साइकिल, बाइक और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में कांवड़ उठाए भक्तों का जोश देखते ही बनता है। प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं।

सजा–ए–मौत में तीन अभियुक्तों को हाईकोर्ट ने बरी किया

कोलकाता , कलकत्ता हाई कोर्ट ने वर्ष 2014 में पत्नी की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए सुरोजीत देब और हत्याकांड में सहयोग करने वाले लिपिका पोद्दार और संजय विश्वास की मौत की सजा रद्द करते हुए तीनों को हत्या के आरोप से बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति देबांग्सु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने गुरुवार को दिए अपने फैसले में कहा कि हमारी राय में अभियोजन पक्ष आरोपों को इस तरह प्रमाणित करने में पूर्णतः विफल रहा है जिससे संदेह से परे तीनों की सजा सुनिश्चित की जा सके। इससे पूर्व सियालदह सेशंस कोर्ट ने तीनों को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी। यह मामला 20 मई 2014 का है, जब कोलकाता के सियालदह रेलवे स्टेशन की कार पार्किंग से एक महिला के शरीर के कटे हुए हिस्से मिले थे। बाद में शव की पहचान जयंती देब के रूप में हुई, जो आरोपित सुरोजीत देब की पत्नी थीं। अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि सुरोजीत अपनी मित्र लिपिका पोद्दार के साथ रह रहा था, और उन्होंने मिलकर जयंती की हत्या की थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने और उन्हें फेंकने के लिए संजय विश्वास की मदद ली गई थी। तीनों अभियुक्तों की ओर से पेश हुए वकील ने दलील दी कि जहां से शव के टुकड़े मिले, वहां इन तीनों की उपस्थिति का कोई सबूत नहीं था। उन्होंने कहा कि "शव वाली लगेज किसने पार्किंग में छोड़ी, इसका कोई स्पष्ट प्रमाण रिकॉर्ड में नहीं है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि हत्या इन तीनों ने ही की।" बचाव पक्ष का कहना था कि अभियोजन पक्ष ने बिना ठोस सबूत के इन्हें झूठे मामले में फंसा दिया। वहीं, राज्य सरकार के अधिवक्ता ने वर्ष 2019 में सियालदह अदालत द्वारा दोषसिद्धि और मौत की सजा के आदेश को सही ठहराते हुए हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि उस फैसले को बरकरार रखा जाए।

उत्तराखंड के पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर कसा ईडी का शिकंजा

पत्नी समेत 5 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत की मुश्किलें बढ़ गई हैं, दरअसल ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के बाद उनके, उनकी पत्नी दीप्ति रावत और तीन अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर कर दिया है। इस बारे में ईडी की तरफ से शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया गया कि यह चार्जशीट देहरादून स्थित पीएमएलए (विशेष धन शोधन निवारण) अदालत में दायर की गई है, जिसमें बीरेंद्र सिंह कंडारी, लक्ष्मी राणा और पूर्णा देवी मेमोरियल ट्रस्ट का नाम भी शामिल है। इस बारे में ईडी की तरफ से शुक्रवार को जारी एक प्रेस रिलीज में बताया गया, 'प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), देहरादून ने पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम), 2002 के प्रावधानों के तहत बीरेंद्र सिंह कंडारी और अन्य के मामले में बीरेंद्र सिंह कंडारी, हरक सिंह रावत, दीप्ति रावत, लक्ष्मी राणा और श्रीमती पूर्णा देवी मेमोरियल ट्रस्ट के खिलाफ माननीय विशेष न्यायालय (पीएमएलए), देहरादून के सामने अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है।' प्रेस रिलीज में आगे कहा गया, 'ईडी ने सहसपुर, देहरादून, उत्तराखंड में भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज ाक्फ़के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि बीरेंद्र सिंह कंडारी, हरक सिंह रावत, स्वर्गीय सुशीला रानी और अन्य व्यक्तियों द्वारा रची गई साजिश के परिणामस्वरूप दीप्ति रावत (हरक सिंह रावत की पत्नी) और लक्ष्मी सिंह राणा जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम पर करने में सफल रहे।'

यमुनोत्री धाम सहित गीठ पट्टी के दर्जनों गांव में बिजली गुल

उत्तरकाशी। 33 केवी लाइन के क्षतिग्रस्त होने से यमुनोत्री धाम सहित गीठ पट्टी के दर्जनों गांव में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। विद्युत विभाग के कर्मचारी लाइन को दुरुस्त करने में जुटे हैं।

बिजली न होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा। विभागीय अधिकारियों ने विद्युत आपूर्ति जल्द सुचारु करने का आश्वासन दिया है। शुक्रवार को तड़के करीब 4 बजे यमुनोत्री क्षेत्र में हो रही बारिश से एक पेड़ कुथनौर के पास 33 केवी लाइन में गिर गया, जिससे लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे यमुनोत्री धाम सहित गीठ पट्टी के दर्जनभर गांव में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी। ऊर्जा निगम के सहायक अभियंता अजय सेमवाल ने बताया कि जैसे ही यमुनोत्री क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुचारु न होने की सूचना मिली तो तत्काल विभागीय कर्मचारी लाइन को ठीक करने में जुट गए थे। उन्होंने बताया कि कुथनौर के पास 33 केवी लाइन में पेड़ गिरने से लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। लाइन में लम्बा स्पान होने के चलते ठीक करने में समय लग रहा है। लाइन की मरम्मत करके जल्द आपूर्ति सुचारु की जाएगी।

उत्तराखण्ड फिल्म निर्माता का बन रहा पंसदीदा स्थल

●सीएम धामी ने किया हिंदी फिल्म 5 सितम्बर का पोस्टर लांच

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में हिंदी फिल्म 5 सितम्बर का पोस्टर लांच किया। यह फिल्म पूर्णतः उत्तराखंड में फिल्माई गई है तथा राज्य की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर प्रदर्शित करने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड फिल्म निर्माण का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। कहा कि राज्य सरकार फिल्म नीति के तहत हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है, ताकि अधिक से अधिक निर्माता-निर्देशक उत्तराखंड की धरती पर फिल्म निर्माण करें और राज्य के युवाओं को रोजगार और मंच प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की फिल्में न केवल उत्तराखंड की प्रतिभा को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि पर्यटन एवं सांस्कृतिक संवर्धन में भी सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने फिल्म निर्माण टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह फिल्म दर्शकों के मन को छूने में सफल होगी। इस अवसर पर फिल्म के डायरेक्टर कुनाल शमशेर मल्ला, कलाकार संजय मिश्रा, ब्रिजेंद्र काला, ऋषभ खन्ना, भुवन खन्ना और दीपराज राणा मौजूद थे।

उत्तराखंड में सावन पर सख्ती, मीट की दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

देहरादून। कांवड़ यात्रा और सावन माह को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। शुक्रवार को आयुक्त डा. आर. राजेश कुमार एवं जिला प्रशासन के निर्देश पर रायपुर क्षेत्र के चूना भट्टा, सहस्त्रधारा रोड और आइटी पार्क क्षेत्र में दर्जनों मीट की दुकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान अनियमितता मिलने पर आठ दुकानों को नोटिस जारी किए गए हैं। निरीक्षण दल का नेतृत्व कर रहे सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा मनीष सयाना ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने प्रतिष्ठानों में खाद्य लाइसेंस स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। साथ ही दुकान में स्वच्छता बनाए रखें और सभी मानकों का पालन करें। उन्होंने कहा कि सावन व कांवड़ यात्रा के दौरान जनभावनाओं और स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नगर निगम रमेश सिंह ने बताया कि मौके पर कई दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं। कुछ दुकानों में न तो खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित किया गया था, न ही साफ–सफाई के मानकों का पालन हो रहा था। उन्होंने बताया कि आठ दुकानों को नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही दुकानदारों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय के भीतर दस्तावेज पूरे करें और सफाई व्यवस्था सुधारें। अन्यथा उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान टीम ने नगर नगर द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्रों की भी जांच की। कई प्रतिष्ठानों पर यह प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं थे। इस अभियान में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ऋषिकेश संतोष कुमार भी शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेंगे, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां धार्मिक गतिविधियों के चलते संवेदनशीलता अधिक है। विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि वे किसी खाद्य प्रतिष्ठान में गड़बड़ी या अस्वच्छता देखें, तो इसकी सूचना तुरंत खाद्य सुरक्षा विभाग को दें।

आप नेताओं की बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली ,दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने पार्टी सरकार के समय हुए तीन बड़े घोटालों की जांच शुरू कर दी है। इन घोटालों में 6368 करोड़ रुपये से ज्यादा की गड़बड़ी का शक है। ईडी ने इन मामलों में केस दर्ज कर लिया है। ये केस अस्पताल बनाने, रैन बसेरा (शेल्टर होम) और सीसीटीवी कैमरे लगाने से जुड़े हैं।

अस्पताल घोटाला : 5590 करोड़ रुपये

2018–19 में दिल्ली सरकार ने 24 अस्पताल बनवाने का फैसला लिया था। सरकार ने कहा था कि 6 महीने में अस्पताल बनकर तैयार हो जाएंगे। लेकिन 800 करोड़ रुपये खर्च हो गए, फिर भी आधा काम भी नहीं हुआ। लोक नायक अस्पताल का खर्च 488 करोड़ से बढ़कर 1135 करोड़ रुपये हो गया। ईडी का आरोप है कि बिना ठीक से मंजूरी लिए काम शुरू कर दिया गया।

ईडी जल्द ही नेताओं से पूछताछ करेगी। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और सौरभ भारद्वाज से सवाल–जवाब हो सकते हैं।

नाबालिग को शादी का झांसा दे दुष्कर्म करने के दोषी को दस साल की सजा

महिला ने युवक पर लगाया भतीजी से दुष्कर्म करने का आरोप

काशीपुर। एक महिला ने एक युवक पर उसकी नाबालिग भतीजी के साथ धोखे से ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि बीते 5 मार्च को उसकी नाबालिग भतीजी साथ में पढ़ने वाली छात्रा के साथ स्कूल गई थी। इस दौरान दूसरी छात्रा ने उसकी भतीजी से कहा कि तेरे पापा का एक्सीडेंट हो गया है। इस दौरान वहां मौजूद एक प्रदीप नामक युवक ने उसको अपनी बाइक पर बैठा लिया और उसे रामनगर रोड पर ले गया। जहां उसने एक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे वापस छोड़ दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसआई अनिल जोशी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर सत्यता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून। नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने के दोषी को कोर्ट ने दस साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर अलग–अलग धाराओं में कुल 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। पोक्सो कोर्ट की जज अर्चना सागर ने आदेश दिया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीड़िता को प्रतिकर के रूप में दो लाख रुपये राज्य सरकार से दिलाएगा। आरोपी पीड़िता को सोशल मीडिया साइट फेसबुक के जरिए मिला। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अल्पना थापा ने बताया कि एक सितंबर 2018 को 16 वर्ष दो महीना की किशोरी के पिता ने पटेलनगर कोतवाली में केस दर्ज कराया। बताया कि उनकी बेटी से सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर एक महीने पहले जसपाल निवासी देवाल चिन्यलि, चोरिंग थाना देवाल जिला चमोली ने दोस्ती की। तब जसपाल देहरादून में अंबीवाला, राजीवनगर में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। दोनों ने फेसबुक के जरिए एक–दूसरे का नंबर साझा किया और बातचीत शुरू कर दी। आरोप है कि जसपाल पीड़िता को झांसा देकर 23 अगस्त 2018 को बंजारवाला, कारगी चौक स्थित एक कमरे पर लेकर गया। वहां जबरन पीड़िता से दुष्कर्म किया। किसे को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। झांसा देकर घर भेज दिया कि वह उससे शादी करेगा। आरोपी इसके बाद बार–बार पीड़िता पर मिलने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने इस बारे में परिजनों को बताया। तब केस दर्ज कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीन सितंबर 2018 को आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच के बाद तीन दिसंबर 2018 को न्यायालय में चार्जशीट फाइल की। जिसमें आठ गवाह शामिल किए।

भोलेनाथ के भक्तों के लिए अच्छी खबर, अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

जम्मू से रवाना हुआ 7,908 श्रद्धालुओं का एक और जत्था

श्रीनगर ,जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई है। खराब मौसम के कारण यात्रा को एक दिन के लिए रोका गया था। इसके अगले दिन शुक्रवार को जम्मू से 7,908 श्रद्धालुओं का एक नया जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 2.52 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार को 7,908 यात्रियों का यह जत्था भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ। 92 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 2,879 यात्रियों को लेकर सुबह 3.30 बजे बालटाल कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 169 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला 5,029 यात्रियों को लेकर सुबह 4.25 बजे नुनवान (पहलगाम) कैंप के लिए रवाना हुआ।

इससे पहले, 10 जुलाई को पहलगाम में 'छड़ी मुबारकझ् (भगवान शिव की पवित्र गदा) का भूमि पूजन किया गया। छड़ी मुबारक के एकमात्र संरक्षक महंत स्वामी दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में संतों के एक समूह द्वारा छड़ी मुबारक को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा भवन से पहलगाम लाया गया। पहलगाम में छड़ी मुबारक को गौरी शंकर मंदिर ले जाया गया, जहां भूमि पूजन हुआ। फिर छड़ी मुबारक को दशनामी अखाड़ा भवन स्थित अपने स्थान पर वापस ले जाया गया।

यह 4 अगस्त को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा मंदिर से गुफा मंदिर की ओर अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगी और 9 अगस्त को पवित्र गुफा मंदिर पहुंचेगी, जो यात्रा का आधिकारिक समापन होगा।

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यह यात्रा 22 अप्रैल के कायराना हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन मैदान में आस्था के आधार पर पहचान करके 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा संख्या बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई और 9 अगस्त को समाप्त होगी। यह कुल 38 दिनों की यात्रा है, जो श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। यह यात्रा 3888 मीटर ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा तक होती है, जहां भगवान शिव का प्राकृतिक हिम शिवलिंग स्थापित होता है, जो चंद्रमा की कलाओं के अनुसार घटता–बढ़ता है। भक्तों का मानना है कि बर्फ की यह संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

गोल्डन टेंपल को उड़ाने की धमकी देने वाले 2 गिरफ्तार

अमृतसर ,अमृतसर के गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकियों के मामले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। इस केस में तमिलनाडु से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को धमकी भरे ई–मेल भेजने के मामले में पकड़े गए हैं।

14 जुलाई से अब तक स्त्रक्क्ष्ट को पांच धमकी भरे ई–मेल मिल चुके हैं। मेल में गोल्डन टेंपल को ऋष्ठङ्ग से उड़ाने की बात कही गई थी। इसके बाद अमृतसर में सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में सख्त सुरक्षा और तलाशी अभियान चलाया गया। पिछले दो दिनों से जांच टीमें तमिलनाडु में सक्रिय थीं। दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, लेकिन उनकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं।

पीएम मोदी ने बिहार को दी 7,200 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

चार अमृत भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

मोतिहारी ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार के मोतिहारी पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में करीब 7,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने बिहार में प्रमुख रेल परियोजनाओं में समस्तीपुर–बछवाड़ा लाइन पर स्वचालित सिग्नलिंग का उद्घाटन किया तथा पाटलिपुत्र में वंदे भारत रखरखाव सुविधा और दरभंगा–नरकटियागंज लाइन के दोहरीकरण सहित 4,080 करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

पीएम मोदी ने राजेन्द्र नगर टर्मिनल (पटना) से नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर), और मालदा टाउन से लखनऊ (गोमती नगर) के बीच भागलपुर के रास्ते चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर भी रवाना किया।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत, बेड़े में शामिल होगा देश का पहला स्वदेशी आईएनएस 'निस्तार

नई दिल्ली ,भारतीय नौसेना अपनी स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता में एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में अपनी पहली स्वदेशी निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी), आईएनएस निस्तार को कमीशन करेगी। इस समारोह की अध्यक्षता रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस ऐतिहासिक अवसर पर मौजूद रहेंगे। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें आईएनएस निस्तार की खूबियों को बताया गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, निस्तार–भारतीय नौसेना का पहला स्वदेशी डिजाइन किया गया डाइविंग सपोर्ट वेसल आज विशाखापत्तनम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की उपस्थिति में कमीशन किया जाएगा। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित, इसमें 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री लगी है और 120 एमएसएमई ने मिलकर बनाया है। निस्तार गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव करने में सक्षम है। 10,500 टन से अधिक वजन वाला यह जहाज कई डेक वाले सैचुरेशन डाइविंग कॉम्प्लेक्स, आरओवी, और डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल्स के लिए मदरशिप के रूप में कार्य करता है। 'निस्तार नाम संस्कृत से लिया गया है, जिसका अर्थ है मुक्ति, बचाव या उद्धार।

यह जहाज पूरी तरह से भारत में हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एतएसएल) द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है, जो भारत की रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएनएस निस्तार में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है और इसमें लगभग 120 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी रही है।

नर्स निमिषा प्रिया मामला : सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, केस लड़ रही संस्था ने मांगी यमन जाने की इजाजत

नई दिल्ली , यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को फांसी की सजा से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस मामले में 'सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल' नामक संगठन ने कोर्ट से अनुमति मांगी कि उन्हें यमन जाकर मृतक के परिवार वालों से बातचीत करने की इजाजत दी जाए। संगठन का मानना है कि मृतक के परिवार से बातचीत के जरिए निमिषा की सजा को माफ करने या कम करने की संभावना बन सकती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप सरकार के पास ज्ञापन दीजिए। सरकार अपने हिसाब से इस पर फैसला लेगी। हम इस पर कुछ नहीं कह सकते। इस मामले की अगली सुनवाई अब 16 अगस्त को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि निमिषा की फांसी की सजा को फिलहाल रोक दिया गया है। उन्होंने इसके लिए भारत सरकार का आभार जताया।

फिर आफत बरसा सकता है मानसून, भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी

देहरादून। दून समेत प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में धूप और बादलों की आंख–मिचौनी चल रही है और भारी वर्षा से फिलहाल राहत है।दून में सुबह चटख धूप खिलने से पारे में भी तीन डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ और दिनभर उमसभरी गर्मी ने बेहाल किया।

शनिवार को भी दून में धूप खिली रहने से लेकर आंशिक बादल छाने की आशंका है। इसके बाद दो दिन देहरादून समेत कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

उत्तराखंड में भारी वर्षा का दौर फिलहाल थम गया है। पहाड़ से मैदान तक आंशिक बादल मंडरा रहे हैं और कहीं–कहीं चटख धूप भी खिल रही है। हालांकि, पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बौछारें भी दर्ज की गईं। देहरादून समेत कई क्षेत्रों में तापमान में भी दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है।शनिवार को भी प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में धूप खिलने से लेकर आंशिक बादल छाने के आसार हैं। बागेश्वर में तीव्र वर्षा के दौर हो सकते हैं। इसके बाद दो दिन मानसून की बारिश परीक्षा ले सकती है।

भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, रविवार और सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान ज्यादातर जिलों में गरज–चमक के साथ तीव्र वर्षा के दौर और आकाशीय बिजली चमकने की आशंका है।

सम्पादकीय

उत्तराखंड में निवेश का उत्सव

उत्तराखंड को इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयास परिणाम के तौर पर देखने लगे हैं। वर्ष 2023 में उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया था जिसके तहत विश्व भर के उद्यमियों को उत्तराखंड में उद्योग धंधे लगाने के लिए प्रेरित करने के साथ–साथ तमाम सुविधाएं मुखिया करने का भी आश्वासन दिया गया था। लगभग 2 साल के अंतराल में इस दिशा में उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों में नए उद्योग धंधों को स्थापित करने में सफलता मिल रही है और इसके तहत अब तक एक लाख करोड रुपए की ग्राउंडिंग सुनिश्चित हो सकी है। उत्तराखंड बनने के बाद पहली बार उद्योगों को लेकर यह एक बड़ी सफलता देखने को मिली है जिसे उत्साहित करने के लिए राज्य सरकार इसे एक आयोजन के तौर पर मनाने जा रही है इसके साक्षी गृहमंत्री अमित शाह भी बनेंगे। देखा जाए तो राज्य सरकार का यह प्रयास देश में पहली बार सफल निवेश का विवरण प्रस्तुत करने का उदाहरण पेश करेगा। उत्तराखंड सरकार की ओर से दिसंबर 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ हुए एमओयू जल्द ही प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के साधन भी सिद्ध होंगे।इस आयोजन के बाद उत्तराखंड में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। दिसंबर 2023 में देहरादून में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान कुल 3,57,693 करोड़ के 1779 एमओयू साइन किए गए थे। जिससे राज्य में 81,327 नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद बनी है। ग्लोबल इन्वेस्टर मीट के बाद ऊर्जा में कुल 1,03,459 करोड़ के 157 एमओयू (रोजगार 8,472) में ग्राउंडिंग 40341 करोड़ रुपए व उद्योग झकुल 78,448 करोड़ के 658 एमओयू, (रोजगार 44,663) में ग्राउंडिंग 34086 करोड़ रुपए, आवास क्षेत्र में कुल 41,947 करोड़ के 125 एमओयू, (रोजगार 5,172) में ग्राउंडिंग 10055 करोड़ रुपए, पर्यटन में कुल 47,646 करोड़ के 437 एमओयू, (रोजगार 4694) में ग्राउंडिंग 8635 करोड़ रुपए , उच्च शिक्षा में कुल 6,675 करोड़ के 28 एमओयू, (रोजगार 4428) में ग्राउंडिंग 5116 करोड़ रुपए व अन्य क्षेत्र में कुल 79,518 करोड़ के 374 एमओयू, (रोजगार 13898) में ग्राउंडिंग 3292 करोड़ रुपए हुई। फसल में किसी भी उद्योग धंधे को राज्य में जमाने के लिए कई आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करानी होती है इनमें जमीन आवंटित करने से लेकर उद्योग धंधों को सुरक्षा के साथ–साथ वे सभी साधन उपलब्ध कराने होंगे जो किसी उद्योग धंधों के विकास के लिए जरूरी है। आज जब उत्तराखंड में पलायन एक बड़ी समस्या बन गया है तो राज्य सरकार को अधिक से अधिक उद्योगों को पहाड़ी क्षेत्रों में स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। मैदाने की वनस्पति पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में उद्योग धंधों को स्थापित करने का ज्यादा लाभ प्रदेश को मिलेगा। इससे जहां एक तरफ लाखों युगों को रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे तो वहीं पलायन रोकने में भी बड़ी सफलता मिल सकती है। गुजरते ग्रामीण क्षेत्रों को सवारने की सूरत भी साफ होगी तो वही स्थानीय लघु इकाइयों को भी लाभ पहुंचेगा।

पवित्रता का मुखौटा पहन भ्रष्टाचार छिपाना अब आम बात

आर.के. जैन

जब एक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और उसकी नींव मानी जाने वाली मेडिकल शिक्षा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए तो यह केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि लाखों लोगों के भरोसे और भविष्य पर सीधा हमला है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल में सनसनीखेज खुलासे के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और निजी मेडिकल कॉलेजों के बीच गहरे भ्रष्टाचार के जाल को उजागर किया है। 34 लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी ऐसी सच्चाई सामने लाई है, जो न केवल मेडिकल शिक्षा की विसनीयता, बल्कि स्वास्थ्य तंत्र के प्रति जनता का विश्वास भी हिलाती है।

यह घोटाला स्वास्थ्य मंत्रालय के गलियारों से शुरू होता है, जहां अधिकारियों ने बिचौलियों और निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ मिल कर ऐसा तंत्र बनाया जो नियमों को तोड़ने–मरोड़ने का पर्याय बन गया।

गोपनीय दस्तावेज की चोरी, निरीक्षण कार्यक्रम लीक होना, और मूल्यांकनकर्ताओं की जानकारी कॉलेजों तक पहुंचना–सब सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। इस सेटिंग ने मेडिकल कॉलेजों को वह मौका दिया जिसके जरिए वे निरीक्षण प्रक्रिया को धोखे में बदल सके। कॉलेजों ने इस अवसर का पूरा फायदा उठाया। फर्जी संकाय की नियुक्ति, काल्पनिक मरीजों को भर्ती दिखाना और बायोमेट्रिक उपस्थिति पणाली में हेरफेर जैसे हथकंडे अपनाए गए। यह सब रित के खेल का हिस्सा था, जहां लाखों रु पये हवाला के जरिए लेन–देन किए गए। यह धन न केवल व्यक्तिगत लाभ, बल्कि सामाजिक–धार्मिक गतिविधियों के नाम पर भी इस्तेमाल हुआ। खुलासा सवाल उठाता है कि क्या पवित्रता का मुखौटा पहन कर भ्रष्टाचार को छिपाना अब आम बात हो गई है?

मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य कुशल और नैतिक डॉक्टर तैयार करना है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करें लेकिन जब यह प्रक्रिया ही भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो तो पढ़ कर निकलने वाले डॉक्टरों की गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजिमी है। यह घोटाला मेडिकल शिक्षा की वैश्विक साख पर गहरा प्रहार करता है। भारत, जो चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता है, ऐसे घोटालों के कारण विसनीयता खो रहा है। उन लाखों छात्रों का क्या जो भारी–भरकम फीस चुका कर इन कॉलेजों में पढ़ते हैं? क्या उनकी मेहनत और सपने भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ जाएंगे?

यह घोटाला मेडिकल शिक्षा तक सीमित नहीं है। इसके सामाजिक–आर्थिक प्रभाव भी गंभीर हैं। निजी मेडिकल कॉलेजों का व्यावसायीकरण पहले ही शिक्षा को विलासिता बना चुका है। मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए मेडिकल शिक्षा का सपना और दूर हो जाता है। हवाला के जरिए रित का लेन–देन अर्थव्यवस्था को खोखला करता है। यह धन, जो जनकल्याण के लिए उपयोग हो सकता था, भ्रष्टाचार के काले गलियारों में गायब हो रहा है। धार्मिक–सामाजिक कायरे के नाम पर इसका इस्तेमाल न केवल नैतिकता पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज के प्रति गहरे विश्वासघात को भी दर्शाता है। यह घोटाला एनएमसी की कार्यपणाली पर भी सवाल उठाता है।

एनएमसी को भ्रष्टाचार–मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था लाने के लिए बनाया गया था, लेकिन इस घोटाले ने तमाम दावों की पोल खोल दी। स्पष्ट है कि नियामक ढांचे में गहरी खामियां हैं। निरीक्षण प्रक्रिया को डिजिटल और स्वचालित करना, स्वतंत्र ऑडिट अनिवार्य करना, और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस तंत्र को मजबूत कर सकते हैं। यह सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारा भी दायित्व है कि हम शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की दिशा में प्रयास करें।

यह घोटाला एक कड़वी सच्चाई सामने लाता है कि हमारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, लेकिन यह अवसर भी है–सुधार का अवसर, जवाबदेही का अवसर और ऐसी व्यवस्था बनाने का अवसर, जो नैतिकता और पारदर्शिता पर टिकी हो। सीबीआई की कार्रवाई एक शुरुआत है, लेकिन यह तभी सार्थक होगी जब इसके परिणामस्वरूप ठोस बदलाव आएं। हमें सुनिश्चित करना होगा कि मेडिकल शिक्षा का हर स्तर–प्रवेश से लेकर मान्यता तक–पारदर्शी और जवाबदेह हो।

यह न केवल उन छात्रों के लिए जरूरी है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए दिन–रात मेहनत करते हैं, बल्कि उन करोड़ों मरीजों के लिए भी जरूरी हैं, जिनका जीवन इन डॉक्टरों के हाथों में होता है। यह घोटाला चेतावनी है। बताता है कि हमारी व्यवस्था की कमजोरियों ने हमारे विश्वास से ठगी की है, और हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

हमारी मेडिकल शिक्षा को भ्रष्टाचार के इस काले साये से मुक्त कराना होगा। बेशक, यह लंबी लड़ाई है, लेकिन अगर हम एकजुट होकर भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ खड़े हों, तो हम एक ऐसी व्यवस्था बना सकते हैं, जो न केवल कुशल डॉक्टर तैयार करेगी बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी निभाएगी। आइए, इस घोटाले को सबक बनाएं और एक नये, पारदर्शी और नैतिक भारत की नींव रखें।

आत्मनिर्भरता देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को अपेक्षाकृत शांत अवधि के दौरान भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए। शांति के समय को भ्रम बताते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों के पराक्रम की भी उन्होंने सराहना की।

सिंह ने रक्षा लेखा विभाग के अपने संबोधन में कहा कि विश्व हमारे रक्षा क्षेत्र को सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। अधिकतर उपकरण जो हम पहले आयात करते थे, अब देश में ही बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों को बाहरी ऑडिट या सलाहकारों पर निर्भर रहने की बजाय आत्मावलोकन द्वारा आंतरिक सुधार करने की सलाह भी दी। बीते साल वैश्विक सैन्य व्यय के तकरीबन पौने तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंचने की चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने इसे स्वदेशी रक्षा उद्योग के लिए अपार अवसर बताया। इस संबोधन में अनिश्चितता व शांति के समय को भ्रम बताने के पीछे की उनकी रणनीति चुनौती के तौर पर समझी जा सकती है। बेशक, मुल्क के आंतरिक व सीमापार से होने वाले हमलों पर गोपनीयता बरतना हितकारी है मगर ऐसे किसी भी संकट के प्रति सरकार को सेना को सतर्क भी रखना होगा। मेक इन इंडिया के लॉन्च के बाद यानी 2014–15 से 2023–24 तक भारत का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। रक्षा मंत्रालय ने 2024–25 में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 193 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि इनमें से 92त्न घरेलू रक्षा उद्योग को दिए गए। रक्षा उपकरणों पर आत्मनिर्भरता देश की सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह उन महाशक्तियों के लिए भी चुनौती है, जिनका इस क्षेत्र में एकक्षत्र राज रहा है। रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के चलते अब 65त्न रक्षा उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित हो रहे हैं। चूंकि रक्षा मंत्रालय की ऑडिट रिपोर्टस सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं होतीं इसलिए सरकार व सैन्याधिकारियों का जिम्मा है कि अपनी समीक्षा स्वयं करें। हालांकि लंबे समय से रक्षा विभाग की मीडिया नीति को लेकर विवाद रहा है। गोपनीय या संवेदनशील रिपोर्ट के अतिरिक्त अन्य लेखा परीक्षक सूचनाओं के आधार पर नियम बनाए जा सकते हैं ताकि किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ियों से रक्षा विशेषज्ञों, संबंधित विश्लेषकों आदि को प्रचारित/प्रसारित किए बगैर विचार का मौका प्राप्त हो। आंतरिक समीक्षा के बावजूद पारदर्शिता देश और देशवासियों के हित में कम आवश्यक नहीं कही जा सकती।

ट्रंप की प्रतिक्रिया

फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया के लिए कोई न्याय की बात करे यह बात नेतन्याहू और ट्रंप को हजम नहीं होती। यही कारण है कि जब ब्रिक्स देशों ने पश्चिम एशिया में जारी संघष, 'अस्थिरता और गाजा के खिलाफ इस्त्रइली हमलों और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तो ट्रंप तिलमिला उठे। जब ट्रंप अपने देश में यहूदी विरोध के बहाने अपने ही विविद्यालयों पर तमाम पाबंदियां लगा सकते हैं तो ब्रिक्स देशों की यह हरकत कैसे बर्दाश्त करते। फलस्वरूप उन्होंने इन देशों पर ही अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी तक दे डाली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र ट्रंप के तिलमिलाने का कारण साबित हुआ। घोषणापत्र में कही गई हर बात ट्रंप और नेतन्याहू का मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि इसकी भी झलक दिखाती है कि बदलती दुनिया क्या चाहती है। घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने दोहराया कि इस्त्रइल–फिलिस्तीन संघर्ष का न्यायसंगत और स्थायी समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से ही प्राप्त किया जा सकता है। यह फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों की पूर्ति पर निर्भर करता है, जिसमें आत्मनिर्णय और वापसी के अधिकार शामिल हैं। ब्रिक्स ने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करने का आह्वान किया है, और मानवीय सहायता के राजनीतिकरण और सैन्यीकरण के प्रयासों की इ्क्षनदा की। घोषणापत्र सामने आते ही ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया जताई और ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली और कहा कि इसका कोई अपवाद नहीं होगा। लगता है कि ट्रंप ने अपवाद न होने वाली बात कह कर भारत को भी अपना रुख कड़ा करने का इशारा दे दिया है। चीन ने राष्ट्रपति ट्रंप की इस धमकी पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक दबाव का निरर्थक साधन बताया।

समाज परिवर्तन का केंद्र बिंदु शताब्दी वर्ष

अवधेश कुमार

बैठक में सरसंघचालक, सरकार्यवाह एवं सहसर्यकार्यवाह सहित केंद्रीय पदाधिकारियों, सभी प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक, सभी क्षेत्र प्रचारक, सह क्षेत्र प्रचारक के साथ 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री शामिल हों तो इसका महत्त्व समझ में अपने–आप आ जाता है। यानी संघ और इससे जुड़े संगठनों का संपूर्ण संघ प्रतिनिधि नेतृत्व की वहां उपस्थिति केवल मिलने–जुलने के लिए तो नहीं हो सकती। संघ का गहराई से अध्ययन करने वाले या निकट से उसकी गतिविधियों पर निष्पक्ष दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि बैठकों के सभी सत्र के विषय एवं प्रारु प निर्धारित होते हैं। विरोधियों के तीखे तेवरों के विपरीत बैठक हमेशा शांत संतुलित व्यवस्थित माहौल में संपन्न होता है। इसमें सामान्य दलीय राजनीति पर विचार के लिए गुंजाइश नहीं होती है। जितनी जानकारी है भाजपा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर बाहर की उत्कंठा के विपरीत यह चर्चा में भी नहीं आया। संघ के वर्ष में कुछ निश्चित आयोजन हैं, जिनमें प्रांत प्रचारक बैठक भी शामिल है।

जैसा हम जानते हैं इस वर्ष विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पिछले काफी समय से आगामी 2 अक्टूबर से लेकर 2 अक्टूबर 2026 तक इसके आयोजनों और कार्यक्रमों को लेकर गंभीर चर्चा हमारे सामने आते रहे हैं। स्वाभाविक ही इस समय की अधिकतर बैठकों का केंद्रबिंदु शताब्दी वर्ष ही होगा। जितनी जानकारी है संघ अन्य संगठनों या राजनीतिक दलों की तरह शताब्दी वर्ष पर कोई एक बड़ा आयोजन करने की जगह इसका उपयोग संगठन विस्तार, हिन्दुत्व केंद्रित विचार को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने तथा समाज परिवर्तन की दृष्टि से कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए कर रहा है।संघ ने शताब्दी वर्ष में समाज परिवर्तन की दृष्टि से पांच परिवर्तन का विचार रखा है, जिसमें सामाजिक समरसता, परिवार यानी कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्य शामिल है। दरअसल, मोहन भागवत ने 2021 में समाज परिवर्तन की दृष्टि से ये पांच विषय सामने रखे थे और संघ इस पर काम कर रहा है। इससे संबंधित अलग–अलग सामाजिक सद्भाव सम्मेलन युवाओं का परिवारों का तथा इसी दृष्टि से संवाद आदि के सतत कार्यक्रम हैं। स्वाभाविक ही प्रांत प्रचारक बैठक में कहां–कहां कितने और कौन से कार्यक्रम हो सकते हैं तथा उनमें अपेक्षित संख्या की कितनी संभावना होगी, व्यवस्था कैसे हो रही है आदि विषय बिंदूवार चर्चा में आए। बैठक से निकलकर सभी प्रांत और क्षेत्र प्रचारक कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी की दृष्टि से बैठकें, एकत्रीकरण आरंभ कर देंगे इनकी गहराई से समीक्षा करें तो साफ हो जाएगा कि समाज और सत्ता में व्याप्त विद्रूपताओं की निंदा, आलोचना, विरोध से परे समाज की सहभागिता से सकारात्मक परिवर्तन का उद्देश्य ही इसके पीछे है। जाति भेद से परे हटकर सामाजिक समरसता के अंतर्गत समाज में सद्भाव बढ़े, परिवारों की पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली बने, हममें स्व–बोध यानी अपने राष्ट्र की महान विरासत, महान सभ्यता–संस्कृति–धर्म–अध्यात्म, फोटो में व्याप्त समाज संगठन उपलब्धियां आदि के प्रति गौरव व्याप्त हो, कुटुंब यानी परिवार के सभी सदस्यों–संबंधियों में आत्मीयता व संस्कारों की वृद्धि हो तथा लोग नागरिक के नाते अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो जाएं तो धीरे–धीरे संपूर्ण समाज और देश की स्थिति कितनी सकारात्मक, सहकारी और सशक्त होगी इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है।पहले से इन विषयों पर चर्चा हो रही है, उनके साहित्य आदि प्रकाशित हैं, बैठकों में भी इन पर मंथन हो रहा है और प्रांत प्रचारक बैठक में संगठन के स्तर पर इसे आगे बढ़ाने की योजना तय हो गई है इसलिए कार्यक्रम भी संपन्न होंगे। वि में ऐसा कोई संगठन नहीं होगा जो जितना तय करें सब कुछ उसी के अनुरूप हो जाए और त्वरित लक्ष्यों की प्राप्ति भी। इसलिए यह नहीं कह सकते कि सब कुछ कल्पना के अनुरूप भी हो जाएगा और सारे लक्ष्य भी प्राप्त हो जाएंगे किंतु उस दिशा में कुछ हद तक सफलता मिलेगी यह निश्चित है। जितनी संख्या में व्यक्तियों के अंदर पांच परिवर्तन के लिए भाव जाएंगे वह अपने स्तर पर कुछ–न–कुछ करेंगे और समाज के स्तर पर जगह–जगह इन सबके सुखद परिणाम आते रहेंगे। वास्तव में संघ शताब्दी वर्ष की योजना ऐसा नहीं है जिन पर एक वर्ष तक काम किया और फिर। यह सतत आगे बढ़ते रहने के कार्यक्रम हैं। फिर जिन लोगों से सब ज्ञान के दौरान संपर्क होगा उनके आगे शाखों प्रशिक्षकों आदि की दृष्टि से भी उपयोग की योजनाएं हैं। यानी जो जुड़ें वह छूट नहीं इसकी कोशिश भी होगी। त्वरित परिवर्तन आंदोलन ऑन या उसी अनुरूप की छोटी बड़ी क्रांतियां से होती है किंतु अस्थाई और सतत परिवर्तन और प्राप्तियों के लिए अनवरत ऐसे ही समाज के अंदर स्वतः अभियान संचालित होते रहना आवश्यक होता है। संघ की यही कार्यशैली दिखती है।

पवन कल्याण की हरि हर वीर मल्लु को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

पावर स्टार पवन कल्याण अभिनीत बहुप्रतीक्षित पीरियड एक्शन महाकाव्य, हरि हर वीरा मल्लू: भाग 1 – स्वॉर्ड बनाम स्पिरिट, को आधिकारिक तौर पर यू/ए प्रमाणन के साथ सेंसर कर दिया गया है। 24 जुलाई, 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने में बस 10 दिन बाकी हैं, और यह फिल्म जबरदस्त चर्चा बटोर रही है। ताज़ा रिपोर्ट्स बताती हैं कि सेंसर बोर्ड के सदस्य इससे बेहद प्रभावित हुए हैं और उन्होंने फिल्म की मनोरंजक कहानी और शानदार दृश्यों की जमकर तारीफ की है। फिल्म का रनटाइम लगभग 2 घंटे 42 मिनट है, जो एक दमदार और मनोरंजक अनुभव का वादा करता है। ज्योति कृष्णा और कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित, हरि हर वीरा मल्लू 17वीं सदी के मुगल साम्राज्य पर आधारित है और पवन कल्याण द्वारा अभिनीत महान डाकू वीरा मल्लू की यात्रा को दर्शाती है, जो न्याय और धर्म के लिए क्रांति की चिंगारी जलाने के लिए अत्याचार के खिलाफ उठ खड़ा होता है। इस फिल्म में बॉबी देओल जैसे खलनायक, निधि अग्रवाल, नरगिस फाखरी और नोरा फतेही जैसे बेहतरीन कलाकार हैं, और ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरावनी ने इसका संगीत भी दमदार बनाया है।

मेट्रो... इन दिनों ने पार किया 40 करोड़ रुपये का आंकड़ा, 12वें दिन हुई इतनी कमाई

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर की म्यूजिकल रोमांटिक–ड्रामा फिल्म मेट्रो... इन दिनों को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 12 दिन पूरे हो गए हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को दर्शकों के बीच आई थी और पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है। मेट्रो... इन दिनों ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। आइए जानें फिल्म ने 12वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मेट्रो... इन दिनों ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.65 करोड़ रुपये कमाए। इसी के साथ भारत में अब तक इस फिल्म ने 41.40 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस फिल्म ने अपना बजट वसूल लिया है। फिल्म को बनाने में 40 करोड़ रुपये लगे थे। बॉक्स ऑफिस पर मेट्रो... इन दिनों का सामना राजकुमार राव की मालिक और विक्रांत मैसी की आंखों की गुस्ताखियां से हो रहा है। मेट्रो... इन दिनों एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसमें अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, नीना गुप्ता और अली फजल जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।

टीम इंडिया को लगा बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चौथे टेस्ट से पहले हुआ चोटिल

नई दिल्ली,भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन–तेंदुलकर सीरीज खेली जा रही है. इस सीरीज का चौथा टेस्ट मैच में भारतीय टीम 23–27 जुलाई तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलने वाली है. इस मैच के लिए टीम लंदन से मैनचेस्टर पहुंच गई है. इसी बीच टीम इंडिया के क्रिकेट फैंस के लिए एक एक दुखद खबर सामने आ रही है. इस खबर को जानकर उन क्रिकेट फैंस को बड़ा झटका लग सकता है जो चौथे टेस्ट मैच में इंडिया के जीतने की उम्मीद कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो भारत का एक और स्टार खिलाड़ी चोटिल हो गया है. ये खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह है. वो अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए हैं.

उन्हें चौथे टेस्ट में प्लेइंग–11 में मौका मिलने के चांस थे क्योंकि लॉर्ड्स टेस्ट में आकाशदीप को चोट लगी थी. वो लंगड़ाते हुए देखे गए थे. यहां तक की उन्होंने बीच मैच में मैदान छोड़ दिया था. ऐसे में आकाशदीप की जगह पर प्लेइंग–11 में अर्शदीप सिंह को मौका मिलने की उम्मीद थी. इसके साथ ही अगर चौथे टेस्ट में टीम इंडिया जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड के चलते आराम देना चाहती तो ऐसी स्थिति में भी अर्शदीप सिंह को डेब्यू करने का मौका मिल सकता था. क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा पहले दो मैचों में टीम के लिए काफी महंगे साबित हुए थे. लेकिन अब अर्शदीप की चोट ने उनके फैंस की चिंता बढ़ा दी है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, मैनचेस्टर में फील्डिंग का अभ्यास करते समय अर्शदीप सिंह को चोट लगी है. उनके बाएं हाथ में चोट लगी है और उन्हें कट लगा है, जिससे खून भी निकाला. इसके बाद उन्होंने वहां पर बैंडेज लगाई. जिस हाथ से वो बॉलिंग करते हैं उनके उसी हाथ में गेंद लगी है. अभी तक उनकी चोट पर कोई अपडेट नहीं आया है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है.

बहुप्रतीक्षित फिल्म तन्वी द ग्रेट का भावपूर्ण भक्ति गीत, ओ मेरे मन मोहना रिलीज़

बहुप्रतीक्षित फिल्म तन्वी द ग्रेट का एक भावपूर्ण भक्ति गीत, ओ मेरे मन मोहना, अब रिलीज़ हो गया है। अकादमी पुरस्कार विजेता उस्ताद एम.एम. कीरवानी द्वारा रचित और प्रसिद्ध कौसर मुनीर के बोलों वाला यह कालातीत गीत रम्या बेहरा और नयना नायर के मधुर स्वरों से जीवंत हो उठा है। ओ मेरे मन मोहना सिर्फ़ एक गीत नहीं है, यह आत्मा की पुकार है, ईश्वर के प्रति एक स्तुति है, और विश्वास की भावनात्मक शक्ति का प्रमाण है। जैसे–जैसे तन्वी द ग्रेट की कहानी आगे बढ़ती है, यह भजन नायिका की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ लाता है, जो उसके भावनात्मक टूटने और फिर उसकी आंतरिक शक्ति और आध्यात्मिक जागृति के साथ उसके उत्थान को दर्शाता है। शास्त्रीय संगीत की गहराई और आधुनिक वाद्य–रचना का

यह मिश्रण श्रद्धा और प्रतिध्वनि दोनों प्रदान करता है, जिससे यह सबसे सम्मोहक भक्ति गीतों में से एक बन जाता है। तन्वी द ग्रेट का संगीत ज़ी म्यूज़िक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इस फिल्म में शुभांगी जोशी के साथ जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर, नासर जैसे कलाकार भी हैं, साथ ही अनुपम खेर और इयान ग्लेन भी हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से परेशान होकर ओन्स जाबेउर ने लिया टेनिस से ब्रेक

नई दिल्ली, खिलाड़ी मैच के दौरान अक्सर काफी दवाब में खेलते हैं. इसके साथ ही वो अपने निजी जीवन में चल रही कई तरह की परेशानियों का सामना भी करते हैं. लेकिन जब वो अपने फैंस के सामने आते है तो उनके चेहरे पर हंसी और खुशी ही नजर आती है. क्योंकि उनसे हजारों–करोड़ों फैंस प्रेरणा लेते हैं. ऐसे में एक एथलीट अपने दुख और परेशानियों को फैंस के सामने नही रखता है. अगर वो अपने फैंस के सामने कमजोर पड़ जाएंगे तो उनसे प्रेरणा लेने वाले फैंस भी टूट जाएंगे. इस स्थिति मे एक खिलाड़ी अपने आप को हर हालात में मजबूत दर्शाता है फिर चाहे उसके निजी जीवन मे कितनी भी दिक्कते क्यों न हो, लेकिन एक दिन उसके भी सब्र का बांध टूट जाता है. आज हम आपको एक ऐसी ही टेनिस स्टार के बारे में बताने वाले हैं, जो आखिरकार अपनी परेशानियों को ज्यादा समय तक अपने अंदर नही रख पाई और अंत में उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी दिक्कतों को उजागर किया और अपने फैंस के साथ अपनी परेशानी शेयर कर दी.

भारतीय ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, आंध्र प्रीमियर लीग टीम के बने कप्तान

नई दिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को बड़ी सफलता हाथ लगी है. उन्होंने टीम इंडिया के लिए पहले टी20 और फिर टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है. वो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए भी उम्दा प्रदर्शन कर चुके हैं. अब उन्हें इसका इनाम मिला है.नीतीश कुमार रेड्डी को आंध्र प्रीमियर लीग 2025 के लिए भीमावरम बुल्स ने अपना कप्तान नियुक्त किया है. नीतीश को सिर्फ 22 साल की उम्र में आंध्र प्रीमियर लीग में कप्तानी करने का जिम्मा मिला है. इसके साथ ही वो आंध्र प्रीमियर लीग में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के दूसरे कप्तान बन गए हैं. इस

लीग में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने की लिस्ट में सबसे ऊपर शेख रशीद का नाम शामिल है. वो 19 साल की उम्र कप्तान नियुक्त किए गए थे. वो चेन्नई सुपर किंग्स का भी हिस्सा रह चुके हैं. आंध्र प्रीमियर लीग 2025 में कुल 7 टीम हिस्सा लेने वाली हैं. इसमें अमरावती रॉयल्स, भीमावरम बुल्स, काकीनाडा किंग्स, रॉयल्स ऑफ रायलसीमा, वाइजैक लायंस, तुंगभद्रा वॉरियर्स और विजयवाड़ा सनशाइनर्स शामिल हैं.

बरसात में डरा रहा भूस्खलन का खतरा, आमसौड़ वासियों की उड़ी नींद

दुगड्डा ब्लॉक के अंतर्गत आमसौड़ गांव जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है।

बीते वर्षाकाल में अतिवृष्टि के चलते आमसौड़ गांव को हुआ था भारी नुकसान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बरसात के मौसम ने एक बार फिर आमसौड़ के ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। हल्की वर्षा होने पर ही ग्रामीणों को भूस्खलन का खतरा सताने लगा है। बीते वर्षाकाल में आमसौड़ के ग्रामीणों को भारी नुकसान झेलना पड़ा था। परिवारों को पूरी वर्षा अन्यत्र शिफ्ट होना पड़ा।

2023 के सितंबर माह में अतिवृष्टि के चलते आमसौड़ गांव के ऊपर केलापानी का पहाड़ दरकने लगा व मलबा व बोल्डर गांव की ओर आ गए। प्रशासन ने ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाया। ग्रामीणों की उम्मीद थी कि सरकारी तंत्र उन्हें भूस्खलन के दंश से निजात दिलाएगा। लेकिन, वर्ष भर सरकारी सिस्टम ने ग्रामीणों की सुध नहीं ली। उधर, भूस्खलन जोन पर ट्रीटमेंट कार्य नहीं हुए। इस बीच बीते वर्ष छह जुलाई को भी पहाड़ी का हिस्सा दरकते हुए भारी मलबे व बोल्डर के साथ गांव के ऊपर गिर गया, जिससे पहाड़ी के नीचे कई भवनों के कमरों में मलबा भर गया था। साथ ही गांव के लिए बिछाई गई पेयजल लाइन भी टूट गई थी। इसके बाद बीते वर्ष 22 अगस्त की मध्य रात्रि अतिवृष्टि के दौरान पहाड़ी फिर दरक गई और भारी मलबा व बोल्डर गांव के ऊपर आ गए। भारी मलबे की चपेट में आने से जहां राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित सीएचसी सेंटर व एक दुकान की दीवार ढह गई थी। वहीं, कई घरों में भारी मलबा भी आ गया था। ग्रामीणों ने रात के अंधेरे में अपने घरों को छोड़कर पंचायत भवन में शरण ली। सुरक्षा को देखते हुए गांव में पहाड़ी के नीचे रहने वाले 25 परिवारों में से दस परिवारों ने कोटद्वार व दुगड्डा में किराए के कमरे में शिफ्ट हो गए।

प्रशासन ने नहीं ली कोई सुध

प्रशासन ने आमसौड़ गांव में भूस्खलन रोकने के लिए अभी तक कोई ठोस उपाय नहीं किए हैं। हालात यह है कि अभी तक गांव का भूगर्भीय सर्वे तक नहीं हुआ। नतीजा, आपदा प्रभावित होने के बावजूद गांव को आपदाग्रस्त गांवों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य कुंदन सिंह ने बताया कि बीते वर्ष आई आपदा के दौरान पहाड़ी से नाले के रूप में पूरा पानी गांव की ओर आया। इस नाले में जमा मलबे की अभी तक सफाई नहीं हो पाई है। ऐसे में इस बरसात में भी ग्रामीणों के लिए खतरा बना हुआ है।

जर्जर हो चुके विद्युत पोल बदलने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लाक के अंतर्गत विद्युत सब स्टेशन कस्याली से पोषित नालीखाल, सिमलना, जौरासी तल्ली व जौरासी मल्ली सहित अन्य गांवों के ग्रामीण सब स्टेशन से जा रही विद्युत लाइनों की जर्जर हालत से परेशान हैं। हालत यह है कि एक गांव में बिजली गुल होने से सभी गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है और ग्रामीणों को रतजगा करना पड़ रहा है। गढ़वाल सांसद प्रतिनिधि चंडी प्रसाद कुकरेती की ओर से उत्तराखंड पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक को प्रेषित ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में विद्युत सब स्टेशन कस्याली से पोषित सभी विद्युत लाइनों की हालत जर्जर हो रखी है। इस कारण स्टेशन से पोषित किसी न किसी गांव में विद्युत समस्या हर समय बनी रहती है। इस कारण अन्य गांवों की आपूर्ति पर भी असर पड़ता है। कहा कि क्षेत्रीय गांवों की विद्युत आपूर्ति में सुधार के लिए उत्तराखंड पावर कारपोरेशन की ओर से सब स्टेशन कस्याली के द्वितीय खंड की स्थापना का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इस पर अभी तक अमल नहीं हो पाया है। कहा कि इस कार्य के लिए लापरवाह अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन में उन्होंने प्रबंध निदेशक से इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देशित करने की मांग की है और ऐसा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में श्रीनगर को मिली 114वीं रैंक

श्रीनगर गढ़वाल : स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निगम श्रीनगर ने बीते वर्ष की तुलना में इस बार बेहतर प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय स्तर पर श्रीनगर नगर निगम ने 114वीं रैंक प्राप्त की है, जबकि पिछले वर्ष यह रैंक 1525 थी। नगर निगम ने 411 पायदान का सुधार करते हुए अपनी सफाई व्यवस्था में सुधार का संदेश दिया है। नगर निगम के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि निगम क्षेत्र में लगातार सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषकर कूड़ा प्रबंधन को कुशलता पूर्वक संचालित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। महापौर आरती भंडारी ने स्वच्छता सर्वेक्षण में आई प्रगति पर खुशी जताते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना उनकी प्राथमिकता है। निगम की ओर से सफाई व्यवस्था को और अधिक दुरुस्त करने के लिए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

अब लोकमणिपुर के लोगों ने भी लगाया एजेंसी पर अनियमितता का आरोप

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते लोकमणिपुर के लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अब तक जहां वार्ड नंबर 31 के लोगों ने भाबर गैस एजेंसी के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ था। वहीं, अब वार्ड नंबर 36 लोमणिपुर के लोगों ने भी एजेंसी पर अनियमितता का आरोप लगाना शुरु कर दिया है। शुक्रवार को वार्डवासी तहसील में पहुंचे और समस्या के संबंध में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। कहा कि एजेंसी की ओर से घर-घर भेजे जा रहे सिलेंडर में निर्धारित क्षमता से कम गैस भेजी जा रही है।

कुछ दिन पूर्व वार्ड नंबर 31 के लोगों ने भाबर गैस एजेंसी पर क्षमता से कम गैस सप्लाई करने का आरोप लगाया था। इसके विरोध में एक दिन पूर्व ही लोगों ने एजेंसी के बाहर धरना दिया था।

वहीं, अब शुक्रवार को वार्ड नंबर 36 के लोगों ने भी एजेंसी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लोगों ने गैस एजेंसी पर घर-घर गैस सप्लाई में अनियमितता का आरोप लगाया। कहा कि घर-घर पहुंचने वाले सिलेंडर में दो से तीन किलो गैस कम रहती है। उनका कहना था कि कुछ समय पूर्व उन्होंने गैस एजेंसी से भी इसकी शिकायत की। लेकिन, समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। बताया कि उपभोक्ताओं के हित को देखते हुए जल्द से जल्द इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए।

क्षेत्रीय जन ने इस संबंध में गढ़वाल मंडल विकास निगम को भी पत्र भेजा है। इस मौके पर अर्चना देवी, नवीन चंद्र, चंद्र प्रकाश, गौरव जोशी, दिनेश मेहरा, सपना देवी, पूजा देवी आदि मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव : दूसरे चरण के प्रत्याशियों को बांटे चुनाव चिह्न

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले में पंचायत चुनाव के तहत मतदान के दूसरे चरण में शामिल सात ब्लॉकों की 16 जिला पंचायत सदस्य सीटों पर चुनाव लड़ रहे 64 प्रत्याशियों सहित ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य के प्रत्याशियों को को चुनाव चिह्न आवंटित किये गए हैं। इसके अलावा क्षेत्र पंचायत सदस्य के 161 पदों पर 568 और ग्राम प्रधान के 540 पदों पर 1391 प्रत्याशी भी शामिल हैं। दूसरे चरण में 28 जुलाई को मतदान होना है। शुक्रवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में मैदान में उतरे प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए गए। इस चरण में यमकेश्वर, जयहरीखाल, दुगड्डा, द्वारीखाल, पौड़ी कोट और कल्जीखाल ब्लॉक शामिल हैं। इनमें ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य के पदों के प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर लिए गए हैं। जिला पंचायत सदस्य पद के आरओ और मुख्य कृषि अधिकारी पौड़ी विकेश कुमार यादव ने बताया कि दूसरे चरण में 28 जुलाई को मतदान होगा। जिसमें जिले के सात ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्य पद की 16 सीटें हैं। जिनमें 64 प्रत्याशी हैं। जिन्हें चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए हैं। पंचायत चुनाव के कंट्रोल रूम नोडल अधिकारी और जिला मत्स्य निरीक्षक अभिषेक मिश्रा ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में शामिल 7 ब्लॉकों में ग्राम प्रधान के 540 पदों पर 1391 और क्षेत्र पंचायत सदस्य की 161 सीटों पर 568 प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर लिए गए हैं।

राजकीय वाहन चालक संघ के अध्यक्ष बनें घनश्याम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय वाहन चालक संघ लोनिवि की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। संघ भवन में आयोजित बैठक में संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान घनश्याम सिंह को अध्यक्ष, नंदन लाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गुमान सिंह को मंत्री, पुष्कर सिंह को संरक्षक व अनंतपाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने वाहन चालकों की समस्याओं को हल करना अपनी प्राथमिकता बताया। बैठक में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर रमेशचंद्र, त्रिलोक सिंह, मिथलेश सिंह, मदनलाल, मनमोहन, सुरेंद्र सिंह, धमेंद्र, संजय सिंह, अर्जुन आदि शामिल रहे।

पैठाणी में पांच पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पैठाणी थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार से पांच पेटी अवैध शराब की बरामद की है। पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त कार को सीज कर दिया है, जबकि आरोपी के विरुद्ध आबकारी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी पैठाणी सुनील रावत ने बताया कि पुलिस टीम ने तिरपालीसैंण मार्ग पर बुधखेत के पास एक मारुति कार को रोककर जब चेकिंग की तो उसमें पांच पेटी अवैध शराब बरामद हुई। जिस पर पुलिस ने कार को सीज कर दिया। साथ ही आरोपी उत्तम सिंह निवासी पैठाणी के विरुद्ध आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। पकड़ी गई शराब की कीमत 35 हजार के करीब है।

केदारनाथ के तीर्थपुरोहितों का गुस्सा नहीं हो रहा कम

रुद्रप्रयाग : उत्तर प्रदेश में बने केदारनाथ मंदिर को लेकर केदारनाथ के तीर्थपुरोहितों का गुस्सा कम नहीं हो रहा है। तीर्थपुरोहितों ने कहा कि केदारनाथ मंदिर का स्वरूप कहीं और बनाया जाना किसी भी दशा में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इस पर जल्द कार्यवाही नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार इस मामले में शीघ्र कार्यवाही करे। केदारनाथ धाम में तीर्थपुरोहित संतोष त्रिवेदी ने कहा कि यूपी के इटवा में अखिलेश यादव द्वारा बनाए गए केदारनाथ मंदिर के स्वरूप को शीघ्र बदला जाए। केदारनाथ के स्वरूप का मंदिर कहीं और बनाया जाना किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंदिर कोई कितने भी बनाए किंतु स्वरूप में एक जैसा नहीं होना चाहिए। केदारनाथ धाम विश्व प्रसिद्ध है यहां करोड़ों हिन्दुओं की आस्था है। पूरे देश में यह एक ही मंदिर है और वह हिमालय स्थित केदारनाथ धाम में है। इसलिए ऐसा मंदिर यदि कहीं बनाया गया तो इसका पुरजोर विरोध होगा। वरिष्ठ तीर्थपुरोहित उमेश पोस्ती, केदारसभा के महामंत्री राजेंद्र प्रसाद, बृजेंद्र शर्मा, प्रवीन तिवारी, नवीन शुक्ला, देवेश प्रसाद, सरोज तिवारी आदि ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस मामले का संज्ञान लेते हुए शीघ्र कार्यवाही करें।

नगर पंचायत थलीसैंण, जनपद- पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक- 125/नं0पं0रा0/उपविधि प्रकाशन/2025-26/ दिनांक 09/07/2025

विज्ञप्ति

नगर पंचायत, थलीसैंण जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश की धारा 298 (2) लिस्ट (जे0) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल द्वारा निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु ठेकेदारों के पंजीकरण एवं नियन्त्रण के लिए ''ठेकेदारी पंजीकरण एवं नियन्त्रण उपविधि-2025'' बनायी गयी है, जो नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा-301 उपनियम-(1) के अन्तर्गत जन सामान्य अथवा जिस पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला है, उनसे आपत्तियां एवं सुझाव आमन्त्रित करने हेतु प्रकाशित की जा रही है।

अतः समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित सुझाव एवं आपत्तियां अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल को प्रेषित की जा सकेंगी। बाद मियाद प्राप्त आपत्तियां एवं सुझावों पर विचार नहीं होगा।

ठेकेदारी पंजीकरण एवं नियन्त्रण उपविधि 2025

1. परिभाषाएं -

(1) **यह उपविधि** नगर पंचायत थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल के **''ठेकेदारी पंजीकरण एवं नियन्त्रण उपविधि-2025''** कहलायेगी, जो शासकीय गजट में प्रकाशित होने की तिथि से लागू एवं प्रभावी होगी।

(2) **निकाय**-का तात्पर्य नगर थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल से है।

(3) **बोर्ड** का तात्पर्य नगर पंचायत के निर्वाचित अध्यक्ष/सभासदों अथवा प्रशासक से है।

(4) **अधिनियम**- अधिनियम का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त) संशोधन एवं उपान्तरण आदेश 2002 से हैं।

(5) **अध्यक्ष**- का तात्पर्य नगर थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल के निर्वाचित अध्यक्ष अथवा प्रशासक से है।

(6) **ठेकेदार**- का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है, जो नगर थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल में समस्त निर्माण कार्य, पुनर्निर्माण, सामग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्य जो संविदा के अन्तर्गत आते हों, को करने का इच्छुक व्यक्ति/फर्म हो।

(10) **श्रेणी**- का तात्पर्य ठेकेदार की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी से है।

2. पंजीकरण की प्रक्रियाः-

नगर थलीसैंण जनपद-पौड़ी गढ़वाल के निर्माण कार्य सड़क/नाली/नाला/पुस्ता और अन्य निर्माण एवं भवन के निर्माण कार्यों के सम्पादन तथा सामग्री आपूर्ति हेतु ठेकेदार की तीन श्रेणियां होगी। इच्छुक व्यक्ति प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी में निम्न शर्तों/औपचारिकताओं को पूर्ण कर अपना पंजीकरण करा सकता हैः-

(1) वह भारत का नागरिक हो तथा नगर पंचायत थलीसैंण सीमान्तर्गत या जनपद पौड़ी में कम से कम 5 वर्ष से निवास करता हो, अथवा उत्तराखण्ड राज्य का निवासी हो, का प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साईज फोटो सहित देनी होगी।

(2) जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त अद्यतन चरित्र प्रमाण-पत्र।

(3) जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त हैसियत प्रमाण-पत्र (श्रेणीवार हैसियत सीमा निम्न प्रकार निर्धारित की जाती है)।

अ-	प्रथम श्रेणी के लिए	15.00 लाख
ब-	द्वितीय श्रेणी के लिए	10.00 लाख
स-	तृतीय श्रेणी के लिए	05.00 लाख

(4) **प्रथम श्रेणी में** पंजीकरण कराने हेतु लोक निर्माण विभाग, जल निगम, सिंचाई विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद, जल संस्थान एवं जिला पंचायत आदि विभागो में कम से कम सड़क/नाली/नाला आदि एवं भवन निर्माण का 05 वर्ष कार्य करने का अनुभव प्रमाण-पत्र एवं एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 50.00 लाख के अनुबन्ध (बाण्ड) पत्र देने होगें। इसके अतिरिक्त स्वयं का तकनीकी अभियन्ता एवं टी0एण्ड0पी0 (मिक्सचर मशीन/वाईबरेटर/जे0सी0बी0/रोड रोलर/प्रिमीक्सिंग मशीन) आदि होने आवश्यक होगें। अनुभव प्रमाण-पत्र अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी/ अपर मुख्य अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी किया गया मान्य होगा।

(5) **द्वितीय श्रेणी में** पंजीकरण कराने हेतु उपरोक्त विभागों में कम से कम 5 वर्ष कार्य करने का अनुभव प्रमाण-पत्र एवं एक वित्तीय वर्ष में 25.00 लाख के अनुबन्ध (बाण्ड) पत्र देने अनिवार्य होगें (अनुभव प्रमाण-पत्र उपरोक्तानुसार जारी ही मान्य होगा)।

(6) **तृतीय श्रेणी में** पंजीकरण हेतु उत्तराखण्ड सरकार/भारत सरकार के किसी भी विभाग तथा प्रथम श्रेणी के ठेकेदार द्वारा जिसके साथ कम से कम दो वर्ष का कार्य किया हो, का अनुभव प्रमाण-पत्र देना होगा।

(7) प्रत्येक ठेकेदार, आयकर एवं जी0एस0टी0 विभाग में पंजीकृत होना अनिवार्य है, तथा आयकर एवं जी0एस0टी0 का पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रार्थना पत्र के साथ उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।

(8) नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल में उक्तानुसार ठेकेदारी पंजीकरण का अधिकार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल में निहित होगा।

3. जमानत-

ठेकेदार को निम्न श्रेणी के अनुसार स्थायी जमानत राशि राष्ट्रीय बचत पत्र (NSC)/किसान विकास पत्र/एफ0डी0आर0 के रूप में अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के पदनाम से बन्धक कर आवेदन पत्र के साथ देनी होगी।

अ-	प्रथम श्रेणी के लिए	50,000.00
ब-	द्वितीय श्रेणी के लिए	25,000.00
स-	तृतीय श्रेणी के लिए	15,000.00

4. पंजीकरण शुल्कः-

ठेकेदार को निम्न श्रेणी के अनुसार पंजीकरण शुल्क की धनराशि नगद रूप में नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के कोष में जमा करनी होगी।

अ-	प्रथम श्रेणी के लिए	20,000.00
ब-	द्वितीय श्रेणी के लिए	10,000.00
स-	तृतीय श्रेणी के लिए	5,000.00

5. पंजीकरण की अवधिः-

प्रत्येक वर्ष में मात्र माह 01 अप्रैल से 31 जुलाई तक ठेकेदारो के पंजीकरण किये जायेगें। पंजीकरण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र का प्रारूप रू0 500.00 नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल कोष में जमा कर क्रय करना होगा तथा पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में ही मान्य होगा, जो अवर अभियन्ता की संस्तुति पर अधिशासी अधिकारी द्वारा स्वीकृत किया जायेगा।

6. नवीनीकरण की प्रक्रियाः-

ठेकेदारो को प्रत्येक 01 वर्ष के बाद में निम्न श्रेणी के अनुसार अपने पंजीकरण का नवीनीकरण कराना होगाः-

(1) नवीनीकरण प्रत्येक 01 वर्ष के बाद में 01 अप्रैल से 31 मार्च तक ही होगा।

(2) नवीनीकरण से पूर्व प्रत्येक ठेकेदार को निर्धारित नवीनीकरण आवेदन पत्र के लागत रू0 500.00 निकाय कोष में जमा कराकर प्राप्त करना होगा, नवीनीकरण आवेदन पत्र के साथ विगत वर्ष में किये गये निर्माण कार्यो का विवरण देना होगा।

(3) नवीनीकरण शुल्क निम्न श्रेणी के अनुसार नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के कोष में जमा कराने तथा विगत वर्ष में किये गये कार्यो के विवरण पर नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के अधिशासी अधिकारी द्वारा स्वीकृति प्रदान की जायेगीः-

अ-	प्रथम श्रेणी के लिए	15,000.00
ब-	द्वितीय श्रेणी के लिए	7000.00
स-	तृतीय श्रेणी के लिए	5000.00

(4) अधिशासी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी ठेकेदार के पंजीकरण के नवीनीकरण को उसके त्रुटिपूर्ण कार्य के लिए रोक सकता है।

(5) नवीनीकरण के आवेदन पत्र के साथ प्रत्येक वर्ष में चरित्र-पत्र (जो छः माह की अवधि के अन्दर का हो) तथा नवीनतम हैसियत प्रमाण-पत्र/नवीनीकरण के समय यदि हैसियत यथावत् हो तो उसके लिये शपथ-पत्र देना होगा।

7. निर्माण के सम्पादन की सीमाः-

प्रत्येक श्रेणी के ठेकेदारो को निम्नानुसार कार्य के टेण्डर लेने का अधिकार होगाः-

(1) **प्रथम श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदार को सभी प्रकार (असीमित धनराशि के) निर्माण कार्यो के टेण्डर लेने के अधिकार होगा।

(2) **द्वितीय श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदार को रू0 25.00 लाख तक के निर्माण कार्यो के टेण्डर लेने के अधिकार होगा।

(3) **तृतीय श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदार को रू 15.00 लाख तक के निर्माण कार्यो के टेण्डर लेने का अधिकार होगा।

8. निविदा प्रपत्र की लागतः-

निविदा प्रपत्र का मूल्य निर्माण कार्य के व्यय अनुमान (आंगणन) धनराशि पर निम्न प्रकार निर्धारित किया जायेगा।

कार्यो की लागत (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)
1- रू0 1,00,000 तक	200.00
2- रू0 1,00,001 से रू0 2,00,000 तक	400.00
3- रू0 2,00,001 से रू0 3,00,000 तक	500.00
4- रू0 3,00,001 से रू0 4,00,000 तक	600.00
5- रू0 4,00,001 से रू0 5,00,000 तक	700.00
6- रू0 5,00,001 से रू0 6,00,000 तक	800.00
7- रू0 6,00,001 से रू0 7,00,000 तक	1000.00

8- रू0 700001 से अधिक के कार्यो के निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रति 10000.00 पर रू0 10.00 के हिसाब से गणना कर निर्धारित कर किया जायेगा।

प्रत्येक ठेकेदार विभागीय कार्यो का ठेका लेने के लिए नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल से निविदा प्रपत्र नकद मूल्य देकर खरीदेगा। निविदा प्रपत्र का मूल्य जमा होने के पश्चात किसी भी स्थिति में न तो वापिस होगा और न ही आगामी निविदाओं मे समायोजित होगा। निविदा प्रपत्र नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के पंजीकृत ठेकेदारो को ही विक्रय किये जायेंगे।

9. निविदा स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकारः-

ठेकेदार द्वारा डाली गई निविदाओं में न्यूनतम निविदाओं को स्वीकृत करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष का होगा, किन्तु यदि न्यूनतम निविदा आंकलन से ठेकेदार के 10 प्रतिशत लाभ घटाने के बाद भी कम है, तो इस पर तकनीकी राय लेकर निर्णय लिया जायेगा। निविदा डालने के 6 माह तक उन्ही दरों पर कार्य करने के लिए ठेकेदार बाध्य होगा। यदि ठेकेदार को निविदा डालने की तिथि से 6 माह बाद कार्यादेश दिया जाता है तो ठेकेदार उन दरों पर कार्य करने के लिए बाध्य नहीं होगा। बिना कोई कारण बताये किसी एक निविदा अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी, नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल में निहित होगा।

10. धरोहर राशिः-

उत्तराखण्ड अधिप्राप्ती (प्रीक्यूरमेंट पॉलिसी) नियम 2017 में किये गये प्राविधान के अनुसार स्थायी जमानत/धरोहर धनराशि निविदा के साथ राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास पत्र एवं एफ0डी0आर0 के रूप में जो नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के पदनाम से बन्धक हो, देनी होगी।

11. ठेकेदार का भुगतानः-

कार्य समाप्ति के पश्चात ठेकेदार का कार्य सन्तोषजनक होने पर नियमानुसार बिल की धनराशि से समय-समय पर निर्धारित दरों के अनुसार आयकर, जी0एस0टी0 एवं जमानत आदि देय करो की राशि काटने के उपरान्त भुगतान किया जायेगा, जमानत राशि का भुगतान 1 वर्ष बाद कार्य सन्तोषजनक होने पर अवर अभियन्ता की संस्तुति पर किया जायेगा।

12. कार्य पूर्ण करने की अवधिः-

प्रत्येक पंजीकृत ठेकेदार का यह दायित्व होगा कि निविदा फार्म में दी गयी कार्य अवधि के अन्तर्गत कार्य पूर्ण करें, यदि समय पर कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तथा उसकी कार्य अवधि बढ़ाने हेतु ठेकेदार द्वारा समय समाप्ति से पूर्व औचित्य स्पष्ट करते हुए प्रार्थना-पत्र दिया जाता है तो अवर अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी की संस्तुति पर अध्यक्ष द्वारा कार्य अवधि बढ़ाने की स्वीकृति एक बार प्रदान की जा सकती है, यदि ऐसा नहीं किया गया तो ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही की जा सकती है। ऐसी अवधि के लिए अवशेष कार्य पर 5 प्रतिशत की दर से अन्तिम बिल की धनराशि से अर्थदण्ड के रूप कटौती कर ली जायेगी, यदि इस धनराशि की प्रतिपूर्ति बिल की धनराशि से नहीं हो पाने की स्थिति में दण्ड की अवशेष धनराशि की वसूली भू-राजस्व के बकाया की भाँति सम्बन्धित ठेकेदार से की जायेगी।

13. पंजीकरण का निरस्तीकरणः-

यदि ठेकेदार निर्धारित तिथि तक कार्य प्रारम्भ नहीं करता है अथवा कार्य सन्तोषजनक गुणवत्ता के अनुसार स्वीकृत स्टीमेंट व साईट प्लान के अनुरूप नहीं करता है अथवा नगर पंचायत के किसी कार्मिक के साथ अव्यवहार एवं अभद्रता करता है या किसी प्रकार का अनुचित दबाव डालता है, तो ऐसी स्थिति में अवर अभियन्ता एवं अधिशासी अधिकारी की जांच आख्या/संस्तुति पर अध्यक्ष/प्रशासक द्वारा ठेकेदार के पंजीकरण को निरस्त कर ऐसे ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड़ किया सकता है। पंजीकरण निरस्तीकरण के फलस्वरूप ठेकेदार का ठेका स्वतः ही निरस्त हो जायेगा और ठेकेदार द्वारा किये गये कार्यो का भुगतान नगर पंचायत को हुई हानि के समायोजन के पश्चात किया जायेगा।

14. जमानत जब्त करने का अधिकारः-

यदि ठेकेदार नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल के उपनियमों या ठेके की शर्तों अनुबन्ध-पत्र का उल्लघंन कर नगर पंचायत को कोई हानि पहुँचाता है या उपविधि के नियम 13 के विपरित कार्य करता है तो ऐसी दशा में अवर अभियन्ता एवं अधिशासी अधिकारी की जांच आख्या/संस्तुति पर अध्यक्ष को ठेकेदार की जमानत जब्त करने का अधिकार होगा। यदि इसके बाद भी नगर पंचायत थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल की क्षतिपूर्ति न हो सकें तो शेष राशि ठेकेदार की सम्पत्ति से भू-राजस्व के बकाये की भांति वसूल की जायेगी।

(दीपक प्रताप)	(श्रीमती वीरा देवी)
अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत थलीसैंण	नगर पंचायत थलीसैंण
जिला पौड़ी गढ़वाल	जिला पौड़ी गढ़वाल

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न पदों पर चयन परीक्षा आयोजित करने हेतु कार्यक्रम निर्धारित

देहरादून। सचिव उत्तराखण्ड़ लोक सेवा आयोग गिरधारी सिंह रावत ने अवगत कराया है कि आयोग के द्वारा जनवरी 2025 से जून 2025 तक की अवधि में विभिन्न विभागों के 284 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जिसमें शहरी विकास विभाग के सहायक नियोजन/वास्तुविद के 07, मानचित्राकार के 76, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत वनस्पति विभाग के असिस्टैंट प्रफोसर के 12, भौतिक शास्त्र के 20, इतिहास के 20, उत्तराखण्ड़ सचिवालय/उत्तराखण्ड़ लोक सेवा आयोग एवं राजस्व परिषद में समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी के 136 तथा डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड़ प्रशासनिक अकादमी/उत्तराखण्ड़ लोक सेवा आयोग/राज्य संपत्ति विभाग, गृह विभाग के 13 पद शामिल हैं। सचिव लोक सेवा आयोग ने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा आयोग को प्रेषित अधियाचनों पर समयबद्धता के साथ कार्यवाही कर चयन प्रक्रिया संपन्न करायी जा रही है। आयोग के द्वारा वर्ष 2025 में विभिन्न पदों पर चयन परीक्षा आयोजित करने के लिये कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। परीक्षा कैलेन्डर के अनुसार कार्मिक विभाग की उत्तराखण्ड़ सम्मिलित राज्य (सिविल) प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा– 2025 की प्रारंभिक परीक्षा दिनांक 29 जून 2025 को आयोजित की जा चुकी है। निर्धारित कैलेन्डर के अनुसार महाधिवक्ता कार्यालय, उत्तराखण्ड़ नैनीताल की समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा–2024 की प्रारंभिक परीक्षा दिनांक 27 जुलाई 2025 को, न्यायिक विभाग की उत्तराखण्ड़ न्यायिक सेवा सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) परीक्षा–2023 की प्रारंभिक परीक्षा दिनांक 31 अगस्त 2025 को, उत्तराखण्ड़ सचिवालय एवं उत्तराखण्ड़ लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (लेखा) एवं सहायक समीक्षा अधिकारी (लेखा) परीक्षा–2024 की मुख्य परीक्षा दिनांक 3 एवं 4 सितंबर 2025 को, कार्मिक विभाग की उत्तराखण्ड़ सम्मिलित राज्य अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा–2024 की मुख्य परीक्षा दिनांक 13 एवं 14 सितंबर 2025 को, राज्य निर्वाचन आयोग में समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा–2024 की मुख्य परीक्षा दिनांक 25 एवं 26 सितंबर 2025 को, खेल विभाग की जिला क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा–2025 की मुख्य परीक्षा 02 नवंबर 2025, वन विभाग की सहायक वन संरक्षक, वन क्षेत्राधिकारी एवं लौगिंग अधिकारी परीक्षा–2025 की की मुख्य परीक्षा दिनांक 24 से 28 नवंबर 2025 तथा कार्मिक विभाग की उत्तराखण्ड़ सम्मिलित राज्य (सिविल) प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा–2025 की मुख्य परीक्षा 06 से 09 दिसंबर 2025 को आयोजित की जायेगी।

हमने तेजपत्ता के पेड़ लगवाए थे, अब खरीददार नहीं: रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि सरकार ने पहले किसानों से तेजपत्ता के पौधे लगवाए। अब जब वह पेड़ बन गए हैं, तब उनकी मार्केटिंग नही हो पा रही है। किसानों ने तीन–तीन साल से पत्ते रोककर रखे हैं, लेकिन कोई खरीददार नही मिल रहा है। अल्मोड़ा जिले में स्थिति अपने गांव मोहनरी पहुंचे पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया में वहां के किसानों की व्यथा साझा की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015–16 में हमारी सरकार ने यहां आसपास के गांवों व्यापक स्तर पर तेजपत्ता के पौधे लगवाए थे। कुछ क्षेत्रों को तेजपत्ता गांव के रूप में घोषित भी किया था। यदि यही स्थिति रही तो सरकार जिन चीजों का प्रचार कर रही है, यदि उनके खरीददार नही रहेंगे, तो फिर लोग कैसे आगे बढ़कर इन चीजों को लगाने का काम करेंगे।

बेरोजगार फार्मासिस्ट एसोसिएशन की इंदु जिलाध्यक्ष बनीं

देहरादून। बेरोजगार डिप्लोमा फार्मासिस्ट एलोपैथिक संघ ने देहरादून जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया है। इंदु भंडारी को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। एसोसिएशन के पहले प्रांतीय अधिवेशन के बाद दून जिले की नई कार्यकारिणी गठित करने का निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर रावत ने बताया कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष इंदु भंडारी के साथ प्रियंका पैन्यूली उपाध्यक्ष, आशीष पुरोहित महामंत्री और विकास जगूड़ी सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे।

ऑफिस में हुई चोरी, लाखों की नगदी व सामान साफ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने धनीष फार्म स्थित एक सोलर पैनल कार्यालय का ताला तोड़ वहां रखी नगदी व सामान पर हाथ साफ कर दिया शुक्रवार को शुभम बेदवाल ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि उन्होंने सोलर पैनल लगाने के लिए धनीष फार्म क्षेत्र में कार्यालय खोला हुआ है। गुरुवार शाम वह कार्यालय के शटर पर ताला लगाकर घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह जब वह कार्यालय में पहुंचे तो शटर पर लगा ताला टूटा हुआ था। कार्यालय के भीतर सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। बताया कि कार्यालय की आलमारी में रखे दो लाख की नगदी, लैपटॉप, सीसीटीवी कैमरे की डिवाइस, हाई डिस्क, बैंकों की चेक बुक गायब थी। बताया कि जब उन्होंने कार्यालय के समीप

कोटद्वार में धनीश फार्म स्थित सोलर पैनल कार्यालय में चोरों द्वारा खंगाला गया सामान

स्थित धर्मेंद्र सिंह रावत की दुकान में लगे सीसीटीवी खंगाले तो उसमें कुछ बदमाश घटना को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर दिया गया है व मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

विद्यार्थियों ने किया पौधा रोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हरेला पर्व के तहत पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

विद्यार्थियों ने विद्यालय में अमरूद, अनार, माल्टा व बेल के पौधों का रोपण किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कहा कि धरा को हरा भरा बनाने के लिए हमें पौध रोपण करना चाहिए। बिना पर्यावरण संरक्षण हम धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। अपने आने वाले भविष्य को बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधा रोपण करना चाहिए। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को

पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में पौधारोपण करते विद्यार्थी

आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने को कहा गया। साथ ही विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अवश्य मतदान करने के लिए जागरूक करने का भी संकल्प लिया। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हमें अपने मत का अवश्य प्रयोग करना चाहिए।

गंगा को प्रदूषण मुक्त रखने के दावे हवाई साबित

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के मुख्य मार्ग श्रीनगर में स्वच्छ भारत अभियान और गंगा को प्रदूषण मुक्त रखने के दावे हवाई साबित हो रहे हैं। नर्सरी रोड पर पुराना बस अड्डे के समीप नगर निगम श्रीनगर के अस्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड का कूड़ा सुरक्षा दीवार न होने से अलकनंदा नदी में समा रहा है। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी सवाल खड़े किए हैं। अलकनंदा नदी किनारे फैले इस कूड़े की समस्या पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने भी चिंता जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा है कि 'यह दृश्य अलकनंदा के तट का है। यह जो गंगा की सफाई का राष्ट्रीय अभियान है उसको लेकर हमारी गंभीरता पर बहुत सारे सवाल खड़ा करता है। इस दौरान स्थानीय निवासी प्रकाश सिंह, सोहेब, दिनेश चौहान और अरुण ने बताया कि कूड़ा का सही तरीके से निस्तारण न होने के कारण आसपास रह रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कूड़े से उठती दुर्गंध से सांस लेना मुश्किल हो रहा है। साथ ही बैक्टीरिया फैलने से महामारी का खतरा बना हुआ है। मामले में नगर निगम श्रीनगर के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि निगम के स्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड प्लांट का निर्माण पूर्ण न होने से यह समस्या सामने आ रही है। जेसीबी मशीन से बीती गुरुवार रात्रि को 37 डंपर कूड़े को उठाकर गिरगांव साइट पर भेजे गए हैं। बताया कि पुराना बस अड्डे के पास अस्थायी ट्रांसफर स्टेशन में सुरक्षा दीवार के टूटने से कूड़ा बाहर फैल रहा है। यहां पर निगम सुरक्षा दीवार बना रहा है, जिससे कूड़ा अपनी सतह से बाहर नहीं जा सकेगा। अस्थायी ट्रांसफर स्टेशन में नगर के कूड़े को एकत्रित कर छंटाई की जाती है, जिसे बाद में गिरगांव सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट साइट पर ले जाया जाता है। बताया कि स्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड का प्लांट गिरगांव में तैयार किया जा रहा है। 18 जून को वर्कआर्डर तैयार हो गया है। छह से आठ महीने में स्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड तैयार कर लिया जाएगा। प्लांट में दो कम्पोस्ट पिट भी बनने हैं और नई मशीनें भी पहुंचनी हैं, जिससे मोटे और बारीक कूड़े को अलग किया जा सकेगा। गिरगांव में स्थायी प्लांट तैयार होने के बाद शहर के नजदीक और अलकनंदा नदी किनारे अस्थायी ट्रांसफर प्लांट से हो रही अव्यवस्था से जल्द जनता को निजात मिल सकेगा। (एजेंसी)

गिरगांव में बन रहा स्थायी प्लांट

मेयर नगर निगम श्रीनगर आरती भंडारी ने कहा कि अलकनंदा नदी किनारे अस्थायी ट्रांसफर प्लांट के कूड़े को रोकने के लिए सुरक्षा दीवार बनाने के लिए जेई को निर्देश दिए गए हैं।

द्वितीय मतदान अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग : जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां अंतिम चरण में है। शुक्रवार को अगस्त्यमुनि में सामान्य एवं मतपेटी हैंड साउंड प्रशिक्षण का अंतिम दिन संपन हुआ। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत, मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र बिष्ट तथा द्वितीय मास्टर ट्रेनर मनोज बिष्ट मौजूद थे। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र में कुल 506 में से 499 द्वितीय मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जबकि 55 सेक्टर और 13 जोनल अधिकारी भी प्रशिक्षण में शामिल रहे। अगस्त्यमुनि ब्लॉक में कुल 13 सेक्टर, 3 रिजर्व सेक्टर, 3 जोनल और 2 रिजर्व जोनल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

धामी सरकार मनाएगी एक लाख करोड़ की ग्राउंडिंग का उत्सव

उत्तराखंड निवेश उत्सव में गृहमंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड सरकार की ओर से दिसंबर 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ हुए एमओयू अब जमीन पर उतर रहे हैं, इस आयोजन के बाद उत्तराखंड में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। इसी मौके को एतिहासिक बनाने के लिए, राज्य सरकार की ओर से शनिवार को रुद्रपुर में उत्तराखंड निवेश उत्सव आयोजित किया जा रहा है।

देश में पहली बार किसी राज्य सरकार द्वारा, निवेश के उपरांत इस तरह के आयोजन के जरिए निवेश की असल स्थिति जनता के सामने रखी जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में स्पोर्ट्स स्टेडियम रुद्रपुर में दोपहर 12 बजे से होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे। जिसमें उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में नए स्थापित उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद होंगे। इस आयोजन मे जरिए राज्य सरकार उत्तराखंड में निवेश के माहौल को प्रोत्साहित करना चाहती है। ताकि अधिक से अधिक निवेशक उत्तराखंड का रुख करें, इससे राज्य में आर्थिक गतिविधि तेज होने के साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। विदित है कि दिसंबर 2023 के दौरान देहरादून में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान कुल 3,57,693 करोड़ के 1779 एमओयू साइन किए गए थे। जिससे राज्य में 81,327 नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इन एमओयू के आधार पर राज्य में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की ग्राउंडिंग हो चुकी है। दिसंबर 2023 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबकि समापन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था ।

निवेशकों की पसंद बना उत्तराखंड

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ जो भी निवेश संबंधित समझौते किए गए थे वो अब तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं। इससे उत्तराखंड में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। हम उद्योग स्थापित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। मजबूत आधारभूत सुविधाएं, शांत वातावरण से उत्तराखंड निवेशकों की पसंद बनकर उभरा है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने की सड़क परिवहन, मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों, सड़क परिवहन, राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री माननीय नितिन गडकरी जी एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री माननीय भूपेन्द्र यादव जी से दिल्ली में विशेष भेंटवार्ता हुई।यह भेंट सड़क विकास की योजनाओं, तीर्थाटन की सहजता, पर्यावरण की रक्षा और सतत, हरित व सुरक्षित भारत के निर्माण पर भी केंद्रित रही। इस भेंटवार्ता में विशेष रूप से देहरादून से दिल्ली तक और नेपाली फार्म से तपोवन तक सड़क मार्गों को सुगम, सुरक्षित और आधुनिक बनाने पर चर्चा हुई। ये दोनों मार्ग, जो उत्तराखंड के पर्यटन और अध्यात्मिक यात्रा के प्रमुख रास्ते हैं, अब आगामी चार माह से लेकर एक वर्ष की समयावधि में नव रूप में तैयार किए जाने की योजना के विषयों पर भी चर्चा हुई। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि तीर्थ क्षेत्र एक स्थान नहीं,

वह भाव है। जब तीर्थों तक की यात्रा सहज, सुगम और सुरक्षित होती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास और अनुभव दोनों और भी दिव्य हो जाते है। हरिद्वार से ऋषिकेश के बीच मेट्रो सेवा प्रारम्भ करने की संभावना पर भी गहन चर्चा हुई। यह पहल तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा को बढ़ाएगी साथ ही पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन से यातायात का दबाव घटेगा और वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि सड़कें हमारे राष्ट्र की धमनियाँ हैं और पर्यावरण उसकी प्राणवायु है। जब हम सड़कें बनाते हैं, तो हमें वृक्षारोपण और हरियाली को भी प्राथमिकता देनी होगी।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने माननीय नितिन गडकरी जी के उस समर्पण और संकल्प का अभिनन्दन किया जिसके द्वारा उन्होंने देशभर में सड़कों का अभूतपूर्व जाल बिछाया है। स्वामी जी ने कहा, पहले लोग हनुमान चालीसा पढ़ते थे, आज पूरा विश्व हिन्दुस्तान चालीसा पढ़ रहा है। पहले लोग यात्रा के दौरान टूटी–फूटी सड़कों पर यात्रा व प्रवास करते हुये हनुमान चालीसा पढ़ते थे परन्तु अब पूरा विश्व हिन्दुस्तान चालीसा पढ़ रहा है क्योंकि सड़के, इतनी सुन्दर व विशाल है बन गयी है और ये सब भारत के ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नितिन गड़करी जी को जाता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र अंशुल थापा के0वी0-2, हाथी बडकला, देहरादून में कक्षा 10ए में अध्ययनरत है। मेरे पुत्र के स्कूल दस्तावेजों में नाम त्रुटिवश अंशुल दर्ज व अंकित हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम अंशुल थापा है, जो कि उसके आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज व अंकित है। मैं पुत्र के स्कूल दस्तावेजों में पुत्र का वास्तविक नाम अंशुल थापा दर्ज व अंकित करवाना चाहता हूं।

अतः मेरे पुत्र के स्कूल दस्तावेजों में पुत्र का वास्तविक नाम अंशुल थापा दर्ज व अंकित किया जाय।

जितेन्द्र बहादुर पुत्र श्री राम सिंह निवासी नई बस्ती, विजय कॉलोनी, देहरादून।

Information

Sarva simple is informed that my son Anshul Thapa is studying in class 10A in K.V.-2, Hathi Budkala, Dehradun. The name in my son's school documents has been recorded and inscribed, while my son's real name is Anshul Thapa, which is recorded and inscribed in his Aadhaar card and birth certificate. I want to record the real name of the son Anshul Thapa in the son's school documents.

Therefore, in my son's school documents, the real name of the son Anshul Thapa should be recorded and inscribed.

Jitendra Bahadur son Shri Ram Singh resident Nai Basti, Vijay Colony, Dehradun.

मतदान का अधिकार न मिलने पर शिक्षकों में आक्रोश

नई टिहरी : राजकीय शिक्षक संघ और राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने पंचायत चुनावों में तैनात कार्मिकों के लिए डाक मतपत्र/मतदान के लिए कोई व्यवस्था न किए जाने पर नाराजगी जताते हुए विरोध जताया। कहा कि निर्वाचन जैसे अहम कार्य को संपादित करने वाले कार्मिक अपनी लोकल सरकार को भी नही चुन पाएंगे। राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिलवर सिंह रावत, मंत्री डॉ. बुद्धि प्रसाद भट्ट ने कहा कि इस बार पंचायत चुनावों में अधिकतर शिक्षकों की निर्वाचन ड्यूटी होने के कारण वे अपनी ग्राम सभा में प्रधान, पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए योग्य प्रत्याशी को वोट नही दे पाएंगे। जबकि विद्यालयों में मतदाताओं की जागरूकता व वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए कार्यक्रम चलाया जाता है। कहा कि दुर्भाग्य है कि जो कर्मचारी पंचायत चुनाव करवा रहे हैं वे खुद अपना मत नही दे पाएंगे। दूसरी ओर, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंदवीर सिंह नेगी और मंत्री विजेंद्र सिंह पंवार ने पंचायत चुनाव के दौरान ड्यूटी में तैनात कार्मिकों को मतदान से वंचित किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी से इस विषय में त्वरित कार्रवाई की मांग की है, ताकि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन न हो। कहा कि मतदान प्रत्येक भारतीय नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। जिसे अनुच्छेद 326 में सुनिश्चित किया गया है। लेकिन पंचायत चुनावों में बड़ी संख्या में नियुक्त शिक्षक और अन्य कार्मिक ड्यूटी के चलते स्वयं मतदान नही कर पा रहे हैं।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

चमोली : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैरसैंण में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गैरसैंण चौराहे पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने चौराहे पर 20 मिनट का जाम लगाकर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने सीएचसी में जल्द विशेष चिकित्सकों की तैनाती करने की मांग उठाई है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोपहर बारह बजे से चौराहे पर 20 मिनट का जाम लगाया। मौके पर प्रदर्शन कर सरकार के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर गैरसैंण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत कई बार सीएचसी गैरसैंण में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति का आश्वासन दे चुके हैं लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुयी है। निर्माणाधीन उप जिला चिकित्सालय के निर्माण बहुत धीमी गति से हो रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की। इसके साथ ही रेफर सेंटर बने सीएचसी गैरसैंण में मानकों के अनुरूप विशेषज्ञ चिकित्सकों और पेरा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति करने की मांग उठाई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो वो आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बताया कि सरकार की ग्रीष्मकालीन राजधानी में वर्तमान में अल्ट्रासाउंड तक नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण गर्भवती महिलाओं के साथ ही आम रोगियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। सांकेतिक चक्का जाम लगाने वालों में सभासद उमा ढौढ़ियाल, गोविंद सिंह, पूर्व सभासद कुंवर रावत, सरोज शाह, बीसीसी अध्यक्ष दान सिंह नेगी, संजय कुमार, संजय बिष्ट, पंकज रावत, सुरेन्द्र रावत, मीना देवी, खिला देवी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। (एजेंसी)

चुनाव चिह्न मिलते ही प्रचार ने पकड़ी रफ्तार

चमोली : गैरसैंण ब्लॉक में शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों से पंचायत चुनावों में भाग ले रहे प्रत्याशियों को शुक्रवार को चुनाह चिह्न आवंटित हो गये है। जिससे चुनाव प्रचार में अचानक तेजी आ गयी है। विकासखंड कार्यालय में चुनाव चिह्न प्राप्त करने के दौरान काफी भीड़ भाड़ की नजर आयी। बता दें कि जनपद के सबसे बड़े प्रखड़ में कुल 95 ग्राम पंचायतों में से 13 ग्राम प्रधान निर्विरोध चुने गये हैं वही क्षेत्र पंचायत की कुल 40 सीटों पर दो प्रत्याशी भी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। दूसरी ओर जिला पंचायत की कुल पांच सीटों पर 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मालसी जिपं सीट पर जहां भाजपा समर्थित कु.पूजा फनियाल एवं कांग्रेस समर्थित कामेश्वरी देवी के बीच सीधा मुकाबला है।

उत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, केडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	102-DRM-MB-25-26 Date-17.07.2025	103-DRM-MB-25-26 Date-17.07.2025
कार्य का नाम	Supplying, stacking and loading of 65 mm gauge machine crushed stone ballast confirming to Railway Specification (IS/RDSO-GE/0001: 2023 February 2023 and latest correction slip) at Jhansi/Kabrai depot through commercial rake supply under Sr. DEN/C/MB.	Manufacturing, supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 50000 cum machine crusted stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway Specification including loading of ballast into Rly. wagons/ hoppers at Pathri Sub depot-B under Sr.DEN/C/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	11.08.2025	11.08.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	2,00,04,000.00	6,14,82,500.00
धरोहर राशि	2,50,000.00	4,57,400.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	28.07.2025	28.07.2025

टेन्डर नं. Sr. DEN-C/Publication/25-26 दिनांक: 17.07.2025 2175/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं	T-08-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के पथरी (PRI) स्टेशन पर जीसीटी सम्बंधित टीआरडी कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	08.08.2025,15:00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत	Rs 2,27,20,425.16/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि	Rs. 2,63,600/-
निविदा प्रपत्र मूल्य	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days
कार्य पूरा करने की अवधि	06 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

निविदा सूचना स.: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-06 दिनांक: 17.07.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2179/25

नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर निर्माण कार्यों के प्रस्तावों की समीक्षा बैठक

चमोली : शुक्रवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में नंदा देवी राजजात यात्रा मार्ग में निर्माण कार्यों के प्रस्ताव को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा यात्रा मार्ग पर कराये जाने वाले निर्माण कार्यों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों से प्राथमिकता वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर निर्माण कार्य किए जाने हैं, उन स्थानों की स्पष्ट फोटो भी प्रस्ताव के साथ लगाई जाए, ताकि स्थल की वास्तविक स्थिति स्पष्ट रूप से समझी जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिन सड़कों पर अतिक्रमण की स्थिति है, उन्हें चिन्हित कर लिया जाए और यह भी स्पष्ट किया जाए कि कौन-कौन सी सड़कें फिलहाल डीएलपी (डिफेक्ट लायबिलिटी

पीरियड) में हैं। जिलाधिकारी ने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों (स्लाइड जोन) की जानकारी भी प्रस्तावों में शामिल करने को कहा, ताकि यात्रा मार्ग को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि यात्रा की महत्ता को देखते हुए सभी निर्माण कार्यों के लिए आंगणन प्रस्ताव प्राथमिकता अनुसार तैयार कर समयबद्ध रूप से प्रस्तुत किए जाएं, जिससे विभागीय स्तर पर अनुमोदन एवं बजट स्वीकृति की प्रक्रिया में विलंब न हो।

सूबे के युवाओं को तराशेंगे इंफोसिस, नैसकॉम व वाधवानी ग्रुप

देहरादून। सूबे के राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, डाटा साइंस और उद्यमिता जैसे भविष्योन्मुखी विषयों में दक्ष बनाया जायेगा। इसके लिये उच्च शिक्षा विभाग ने इंफोसिस, नैसकॉम व वाधवानी ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू किया है। छात्र–छात्राओं को इन संस्थानों के पाठ्यक्रमों के चयन का विकल्प दिया गया है और वह अपनी रेगुलर पढ़ाई के साथ इन कोर्स को कर सकेंगे। निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. कमल किशोर पाण्डे के मुताबिक प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में एन.सी.आर.एफ (नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क) की गाइडलाइन के अनुरूप पाठ्यक्रमों में डिजिटल कौशल व उद्यमिता जैसे विषयों को इसी शैक्षणिक सत्र से प्रभावी रूप से लागू किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व इमर्जिंग टेक सहित जीवन कौशल जैसे पाठ्यक्रम छात्रों को आसानी से सुलभ हो इसके लिये सेतु आयोग के सहयोग से इंफोसिस, नैसकॉम व वाधवानी ग्रुप के साथ त्रिपक्षीय एमओयू साइन किया गया है। उन्होंने बताया कि छात्र–छात्राओं के पास इंफोसिस, नैसकॉम व वाधवानी ग्रुप के पाठ्यक्रमों के चयन का विकल्प रहेगा। जो छात्र संशोधित पाठ्यक्रम से आच्छादित नहीं है उनको भी इन कौशल पाठ्यक्रमों में पढ़ाई करने का अवसर दिया गया है। ताकि वह तकनीकी दक्षता अर्जित कर अपने कौशल को नई उंचाईयों तक पहुंचा सके। प्रो. पाण्डे ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इमर्जिंग टेक व एण्टरप्रेन्यूरशिप एण्ड न्यू वेन्चर क्रिएशन का कोर्स किसी भी स्ट्रीम का छात्र प्रथम वर्ष से ही प्रोग्रेसिव मोड़ में कर सकता है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com